Ranchi ● Thursday, 15 August 2024 ● Year : 02 ● Issue : 208 ● Ranchi Edition ● Page : 12 ● Price : ₹3 ● www.thephotonnews.com E-Paper : epaper.thephotonnews.com

Daily
THE PHOTON NEWS
सच के हक में...
HAPPY INDEPENDENCE DAY
द फोटोन न्यूज
Published from Ranchi

SHARE

सेंसेक्स	:	72,240.26
निफ्टी	:	21,731.40

SARAFA

सोना	:	6,795
चांदी	:	94.05

(नोट : सोना 22 कैरेट प्रति ग्राम)

अवकाश की सूचना

स्वतंत्रता दिवस के अवसर पर द फोटोन न्यूज कार्यालय में अवकाश रहेगा। अखबार का अगला अंक 17 अगस्त को बाजार में आएगा। देश-दुनिया व आपके शहर की खबरों से अपडेट रहने के लिए जुड़े रहें www.thephotonnews.com पर...

शुभकामनाएं

स्वतंत्रता दिवस के अवसर पर द फोटोन न्यूज परिवार की ओर से सभी पाठकों, शुभेच्छुओं, विज्ञापनदाताओं व हॉकर बंधुओं को हार्दिक बधाई एवं शुभकामनाएं।

BRIEF NEWS

गुमला में सर्पदंश से दो सगे भाइयों की गई जान

GUMLA : बुधवार को जिले के रायडीह प्रखंड के नकटीझरिया गांव में बुधराम नगेसिया के सात वर्षीय पुत्र विकास नगेसिया और पांच साल के दीपक नगेसिया की जान सर्पदंश से चली गई। घटना के बाद परिजनों को इलाज के लिए सदर अस्पताल लाने में काफी समय लग गया और रास्ते में ही दोनों सगे भाइयों ने दम तोड़ दिया। सदर अस्पताल पहुंचने पर चिकित्सक ने दोनों बच्चों को मृत घोषित कर दिया। इसके बाद दोनों बच्चों का पोस्टमार्टम कराकर शव परिजनों को सौंप दिया।

जुलाई में थोक महंगाई घटकर 2.04% पर आई

NEW DELHI : जुलाई में थोक महंगाई घटकर 2.04 प्रतिशत पर आ गई है। जून में ये बढ़कर 3.36 प्रतिशत पर पहुंच गई थी, जो महंगाई का 16 महीनों का ऊपरी स्तर था। वहीं, मई में थोक महंगाई 2.61 प्रतिशत पर थी। 14 अगस्त को जुलाई महीने के थोक महंगाई के आंकड़े जारी किए गए। इससे पहले 12 अगस्त को रिटेल महंगाई के आंकड़े जारी किए गए थे।

कोर्ट ने थाईलैंड के पीएम को पद से हटाया

NEW DELHI : बुधवार को थाईलैंड की एक अदालत ने नैतिक मूल्यों का पालन न करने के आरोप में प्रधानमंत्री श्रेथा थाविसिन को पद से हटा दिया। इससे एक सप्ताह पहले अदालत ने मुख्य विपक्षी दल को भंग कर दिया था। अदालत के आदेश ने थाई राजनीति में हलचल मचा दी है। संवैधानिक न्यायालय ने श्रेथा को एक कैबिनेट सदस्य की नियुक्ति को लेकर दोषी ठहराया।

हृदय को उत्साह से भर देता है लहराते तिरंगे को देखना : राष्ट्रपति

78वें स्वाधीनता दिवस की पूर्व संध्या पर द्रौपदी मुर्मु ने राष्ट्र को 20 मिनट किया संबोधित

AGENCY NEW DELHI : बुधवार को स्वतंत्रता दिवस की पूर्व संध्या पर देश के नाम अपने संबोधन में राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मु ने कहा, सभी देशवासी 78वें स्वतंत्रता दिवस का उत्सव मनाने की तैयारी कर रहे हैं, यह देखकर मुझे बहुत खुशी हो रही है। स्वाधीनता दिवस के अवसर पर लहराते हुए तिरंगे को देखना चाहे वह लाल किले पर हो, राज्यों की राजधानियों में हो या हमारे आस-पास हो, हमारे हृदय को उत्साह से भर देता है। राष्ट्रपति ने 20 मिनट तक राष्ट्र को संबोधित किया। राष्ट्रपति ने अपने संबोधन में कहा, भारत दुनिया में 5वीं सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था वाला देश है। यह हम सभी के लिए गर्व की बात है कि भारत दुनिया की पांचवीं सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था बन गया है और हम शीघ्र ही विश्व की तीन शीर्षस्थ अर्थ-व्यवस्थाओं में स्थान प्राप्त करने के लिए तैयार है। उन्होंने इसका श्रेय किसानों और श्रमिकों को दिया। उन्होंने कहा, यह सफलता किसानों और श्रमिकों की अथक मेहनत, नीति-निमाताओं और उद्यमियों की दूरगामी सोच तथा देश के दूरदर्शी नेतृत्व के बल पर ही संभव हो सकी है।

किसानों और महिलाओं की सराहना

राष्ट्रपति ने किसानों को संबोधित करते हुए कहा, हमारे अन्नदाता किसानों ने उम्मीदों से बेहतर कृषि उत्पादन सुनिश्चित किया है। ऐसा कर उन्होंने भारत को कृषि-क्षेत्र में आत्मनिर्भर बनाने और हमारे देशवासियों को भोजन उपलब्ध कराने में अमूल्य योगदान दिया है। राष्ट्रपति ने महिलाओं को संबोधित करते हुए कहा, महिलाओं को केंद्र में रखते हुए सरकार द्वारा अनेक विशेष योजनाएं भी लागू की गई हैं। नारी शक्ति वंदन अधिनियम का उद्देश्य महिलाओं का वास्तविक सशक्तीकरण सुनिश्चित करना है।

4 करोड़ 10 लाख युवाओं को मिलेगा रोजगार

राष्ट्रपति ने युवाओं को संबोधित करते हुए कहा, रोजगार और कौशल के लिए प्रधानमंत्री की पांच योजनाओं के माध्यम से पांच वर्षों में चार करोड़ दस लाख युवाओं को लाभ मिलेगा। सरकार की एक नई पहल से पांच वर्षों में एक करोड़ युवा अग्रणी कंपनियों में इंटर्नशिप करेंगे। ये सभी कदम, विकसित भारत के निर्माण में आधारभूत योगदान देंगे। राष्ट्रपति ने तीन नए कानूनों पर कहा, इस वर्ष जुलाई से भारतीय न्याय संहिता को लागू करने में हमने औपनिवेशिक युग के एक और अवशेष को हटा दिया है।

80 करोड़ लोगों को दिया जा रहा मुफ्त अनाज

राष्ट्रपति ने कहा कि इस साल हमारे देश में आम चुनाव हुए। 90 करोड़ लोगों ने वोट डाला। मैं उन चुनावकर्मियों का आभार व्यक्त करती हूं, जिन्होंने मतदान के लिए भारी गर्मी में काम किया। भारत 8 प्रतिशत विकास दर से आगे बढ़ने वाला देश है। पीएम गरीब अन्न कल्याण योजना से 80 करोड़ लोगों को मुफ्त अनाज दिया जा रहा है। ये इस बात को बताता है कि हम ये सुनिश्चित कर रहे हैं कि गरीबी से निकले लोग फिर से गरीबी में न जाएं।

इंफ्रास्ट्रक्चर का संतोषजनक विकास

द्रौपदी मुर्मु ने कहा कि हाल के वर्षों में इन्फ्रास्ट्रक्चर को काफी बढ़ावा मिला है। सरकार ने सेमी कंडक्टर जैसी चीजों को बढ़ावा देने के लिए कई काम किए हैं। बैंकिंग क्षेत्र में काफी तरक्की हुई है। तेज गति से हो रही प्रगति के चलते भारत का कद ऊंचा हुआ है। जी-20 के सफल आयोजन के बाद ग्लोबल साउथ की अवधारणा और मुखर हुई है। हमें बीआर अंबेडकर की ये बात याद रखनी चाहिए कि हमें राजनीतिक लोकतंत्र को सामाजिक लोकतंत्र में बदलना चाहिए।

गंभीर रूप से घायल दीपक ने हॉस्पिटल में ली अंतिम सांस

आतंकियों के साथ मुठभेड़ कैप्टन शहीद, आतंकी ढेर

स्वतंत्रता दिवस से एक दिन पहले हुई इस वारदात में एक नागरिक भी घायल

- सुरक्षाबलों और पुलिस ने इलाके की घेराबंदी कर शुरू किया तलाशी अभियान
- घने जंगल वाले इलाके में इंडियन आर्मी के साथ अचानक हुआ एनकाउंटर
- जम्मू-कश्मीर के डोडा जिले में 30 दिनों में यह दूसरा हमला

AGENCY SRINAGAR : जम्मू-कश्मीर के डोडा जिले के ऊंचाई वाले इलाकों में बुधवार को जारी एक अभियान के दौरान आतंकवादियों से मुठभेड़ में सेना के एक कैप्टन शहीद हो गए। मुठभेड़ में एक आतंकवादी भी मारा गया है। अधिकारियों ने यह जानकारी दी। स्वतंत्रता दिवस से एक दिन पहले हुई इस मुठभेड़ में एक नागरिक भी घायल हो गया। अधिकारियों ने बताया कि शिवगढ़-अस्सार पट्टी में छिपे विदेशी आतंकवादियों की तलाश में सुरक्षाबलों और पुलिस ने इलाके की घेराबंदी कर संयुक्त तलाश अभियान शुरू किया और इस दौरान घने जंगल वाले इलाके में उनके बीच मुठभेड़ शुरू हो गई। आतंकवादियों के साथ मुठभेड़ में कैप्टन दीपक सिंह गंभीर रूप से घायल हो गए। इसके बाद उन्हें सैन्य अस्पताल ले जाया गया, जहां उन्होंने अंतिम सांस ली।

मुठभेड़ स्थल से मिले चार बैग

अधिकारियों ने बताया कि मुठभेड़ स्थल से चार बैग मिले हैं, जिनमें खून लगा है। इससे यह समझा जा रहा था कि मुठभेड़ में चार आतंकवादी मारे गए हैं। साथ ही वहां से एम-4 कार्बाइन भी बरामद की गई हैं। अतिरिक्त पुलिस महानिदेशक (एडीजीपी) आनंद जैन ने अपराह्न करीब दो बजे संवाददाताओं को बताया कि इलाके में अभियान अब भी जारी है।

सर्वोच्च बलिदान को सलाम

सेना ने अधिकारी की मौत पर गहरी संवेदना व्यक्त की और कहा कि सेना शोक संतप्त परिवार के साथ है। सेना ने कहा कि व्हाइट नाइट कोर के सभी रैंक बहादुर कैप्टन दीपक सिंह के सर्वोच्च बलिदान को सलाम करते हैं। अधिकारियों ने बताया कि मंगलवार शाम सुरक्षा बलों और आतंकवादियों के बीच गोलीबारी के बाद आतंकवादी उधमपुर जिले के पटनीटॉप के पास के जंगल से डोडा में घुस आए। उधमपुर में मंगलवार शाम करीब छह बजे सुरक्षाबलों को आतंकवादियों की मौजूदगी का पता चला था। आधे घंटे बाद उनके बीच मुठभेड़ शुरू हो गई।

26 जून को मारे गए थे तीन आतंकी

अधिकारियों ने बताया कि सुरक्षाबलों ने बुधवार को सुबह फिर से तलाशी अभियान शुरू किया। सुबह करीब 7.30 बजे पुनः आतंकवादियों और जवानों के बीच गोलीबारी शुरू हो गई। सुरक्षा बलों ने रविवार को भी दो मुठभेड़ों में आतंकवादियों को ढेर कर दिया। एक किश्तवाड़ के नौनट्टा के सुदूर वन क्षेत्रों में और दूसरा उधमपुर के बसंतगढ़ क्षेत्र में। इन मुठभेड़ों के बाद आतंकवादी डोडा की पहाड़ियों में भाग गए। डोडा जिले के गंडोह इलाके में 26 जून को हुई मुठभेड़ में तीन आतंकवादी मारे गए थे। इन आतंकवादियों के पाकिस्तान के आतंकवादी संगठन जैश-ए-मोहम्मद (जेईएम) से जुड़े होने का संदेह है।

सुप्रीम कोर्ट ने झारखंड का बकाया भुगतान करने का दिया आदेश

RANCHI : सुप्रीम कोर्ट ने झारखंड सरकार का 2005 से खनिज रॉयल्टी के मद में बकाया 1.36 लाख करोड़ रुपये भुगतान करने का आदेश दिया है। इस बकाया राशि के लिए झारखंड सरकार ने न्यायालय का दरवाजा खटखटाया था। झारखंड के मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन ने खनिज रॉयल्टी मुद्दे पर सुप्रीम कोर्ट के फैसले पर प्रसन्नता व्यक्त की और इसे ऐतिहासिक फैसला बताया न्यायालय के प्रति आभार व्यक्त करते हुए सोरेन ने इस फैसले को अपने और झारखंड के लोगों के लिए एक महत्वपूर्ण जीत बताया। सोरेन ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर लिखा, रुबड़ी जीत! माननीय सुप्रीम कोर्ट का धन्यवाद। सुप्रीम कोर्ट के आज के ऐतिहासिक फैसले से हमारी मांग सफल हुई है। अब झारखंड को केंद्र से उसका बकाया 1 लाख 36 हजार करोड़ मिल जाएगा। हर झारखंडी के इस बकाया/अधिकार को लेकर अबुआ सरकार लगातार आवाज बुलंद कर रही थी। उन्होंने कहा कि उनकी सरकार लगातार बकाया राशि और हर झारखंडी के अधिकारों की वकालत करती रही है। सोरेन ने आगे कहा, रहमें अब 2005 से खनिज रॉयल्टी का बकाया मिलेगा।

बिना किसी भय व संकोच के हम तक अपनी समस्याएं पहुंचाएं आम लोग : गवर्नर

PHOTON NEWS DUMKA : बुधवार को स्वतंत्रता दिवस की पूर्वसंध्या पर दुमका सदर प्रखंड के आसनसोल पंचायत भवन में मौजूद लोगों से बतौर मुख्य अतिथि झारखंड के राज्यपाल संतोष कुमार गंगवार ने मुख्यमंत्री मंईयां योजना के दो लाभुकों के बीच पहले माह की राशि का चेक सहित विभिन्न योजनाओं के लाभुकों के बीच परिसंपत्तियों के वितरण के बाद सीधा संवाद किया। राज्यपाल ने कहा कि वे अपनी किसी भी समस्या को बिना किसी भय व संकोच के कहें। इसके लिए आप सभी को बार-बार आने की कोई आवश्यकता नहीं है। आप पत्र के जरिए अपनी बातों को कह सकते हैं, जिसका न सिर्फ समुचित हल किया जाएगा, बल्कि इसकी जानकारी भी आप तक पहुंचाई जाएगी। गवर्नर ने कहा कि आपके इसी काम के लिए देश के प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने मुझे आपके बीच भेजा है।

- मुख्यमंत्री मंईयां योजना के दो समेत अन्य योजनाओं के लाभुकों में राज्यपाल ने चेक व परिसंपत्तियों का किया वितरण

आपके खाते में पहुंच रहे पूरे पैसे

अपने संबोधन में उन्होंने कहा कि पूर्व के एक प्रधानमंत्री कहते थे कि वह केंद्र से आमजन के लिए एक रुपये भेजते हैं, लेकिन उन तक 15 पैसा ही पहुंचता है। लेकिन, अब समय बदल चुका है। अब 100 में 99 भी नहीं पूरे 100 आपके खाते में पहुंच रहा है।

कोलकाता रेप-मर्डर केस में नया खुलासा, डॉक्टर से गैंगरेप का किया गया दावा

AGENCY KOLKATA: बुधवार को कोलकाता के ट्रेनी डॉक्टर रेप और मर्डर केस में नया खुलासा हुआ है। ऑल इंडिया गवर्नमेंट डॉक्टर्स एसोसिएशन के एडिशनल सेक्रेटरी डॉ. सुवर्ण गोस्वामी ने पोस्टमॉर्टम रिपोर्ट के हवाले से कहा कि ये रेप नहीं, गैंगरेप हो सकता है। उन्होंने बताया कि ट्रेनी डॉक्टर के प्राइवेट पार्ट से 151 एमजी सीमन मिला है। इतनी ज्यादा मात्रा किसी एक शख्स की नहीं हो सकती है। इस बात की पूरी संभावना है कि रेप केस में एक से ज्यादा लोग शामिल हो सकते हैं। उधर, कांग्रेस नेता राहुल गांधी ने घटना के 5 दिन बाद बयान दिया है। उन्होंने कहा- पीड़िता को न्याय दिलाने की जगह आरोपियों को बचाने की कोशिश हो रही है। ये चीज अस्पताल और स्थानीय प्रशासन पर गंभीर सवाल खड़े करती है।

- इतने दिन बाद बोले राहुल- आरोपियों को बचाने की हो रही कोशिश
- अर्धनग्न अवस्था में मिली थी ट्रेनी डॉक्टर की डेड बॉडी
- फोरडा बोला- मरीजों के हित में हड़ताल खत्म करने का लिया फैसला

आज लाल किले से 11वीं बार राष्ट्र को संबोधित करेंगे प्रधानमंत्री मोदी

NEW DELHI : गुरुवार को 78वें स्वतंत्रता दिवस के मौका पर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ऐतिहासिक लाल किले की प्राचीर से लगातार 11वीं बार राष्ट्र को संबोधित करेंगे। ध्वजारोहण के समय भारतीय वायु सेना के दो एडवांस्ड लाइट हेलीकॉप्टरों से ध्रुव लाइन एस्टर्न फॉर्मेशन में पुष्प वर्षा की जाएगी। हेलीकॉप्टर के कैप्टन विंग कमांडर अंबर अग्रवाल और विंग कमांडर राहुल नैनवाल होंगे। समारोह को देखने के लिए लगभग 6 हजार विशेष अतिथियों को आमंत्रित किया गया है। लाल किले पर पहुंचने पर पीएम का स्वागत रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह, रक्षा राज्य मंत्री संजय सेठ और रक्षा सचिव गिरिधर अरमाने करेंगे। रक्षा सचिव दिल्ली क्षेत्र के जनरल ऑफिसर कमांडिंग (जीओसी) लेफ्टिनेंट जनरल भवनीश कुमार का प्रधानमंत्री से परिचय कराएंगे। इसके बाद दिल्ली क्षेत्र के जीओसी नरेंद्र मोदी को सलामी मंच पर ले जाएंगे, जहां संयुक्त अंतरसेवा और दिल्ली पुलिस गार्ड प्रधानमंत्री को सामान्य सलामी देंगे। इसके बाद प्रधानमंत्री सलामी गारद का निरीक्षण करेंगे।

स्वतंत्रता दिवस की हार्दिक बधाई एवं शुभकामनाएं
15 AUGUST
INSTITUTE FOR EDUCATION
(A unit of Educational and Social Development Trust)
Recognized by NCTE (ERC), Bhubaneshwar and affiliated to Kolhan University, Chaibasa and Jharkhand Academic Council (JAC), Ranchi
Courses we offer
• B.Ed. • D.El.Ed.
• BBA • BCA
AICTE APPROVED
Academic Partner JSOU SSU
Jamshedpur City Office : Room No.-5, Vishwakarma Sanskritik Bhawan 577, Kumarpara, Near Discovery Diagnostic, New Baradwari, Sakchi, Jsr-01
College Address : Village- Bijay, P.O. : Sini, District : Seraikella-Kharsawan, Jharkhand - 833220
Corporate Office (2nd Campus) : BSNL Exchange, 2nd & 3rd Floor, Garamnala, Opposite Rajendra Vidyalaya, Sakchi, Jamshedpur, Jharkhand
7545870227, 9031053700, 9031053701, 9031053702 9031053700, 9031053701

स्वतंत्रता दिवस की
हार्दिक शुभकामनाएं

अरविंद कुमार सिंह

प्रांत सह विशेष संपर्क प्रमुख
विश्व हिंदू परिषद

स्वतंत्रता दिवस की
हार्दिक शुभकामनाएं

आशुतोष सिंह

महासचिव
जमशेदपुर दुर्गा पूजा केंद्रीय समिति

लातेहार डीसी के नाम पर साइबर ठगी का प्रयास

LATEHAR : किसी अज्ञात व्यक्ति द्वारा उपायुक्त लातेहार की फोटो लगा कर फर्जी वाट्सएप एकाउंट बना कर ठगी करने का प्रयास किया जा रहा है। जिला प्रशासन ने सभी से आग्रह किया है कि आप इस ठगी के झांसे में नहीं आएं, ठगी का शिकार होने से बचें। आमजनों से अपील है कि किसी नए या अनजान नंबर से कॉल या मैसेज के माध्यम से राशि की मांग किए जाने पर विशेष सावधानी बरतें। मोबाइल फोन और सोशल मीडिया के माध्यम से ठगी का प्रयास किए जाने पर अविलंब इसकी सूचना नजदीकी थाना में दें।

स्वतंत्रता दिवस के अवसर पर
समस्त झारखंडवासियों को
हार्दिक शुभकामनाएं

एसडीपीओ
कार्यालय परिवार

घाटशिला
पूर्वी सिंहभूम, झारखंड

स्वतंत्रता दिवस के अवसर पर
समस्त झारखंडवासियों को
हार्दिक शुभकामनाएं

मां वैष्णवी

एनएच 18 फुलडुंगरी
घाटशिला

श्री शिबू सोरेन
केन्द्रीय अध्यक्ष, झा.मु.मो.

श्री हेमंत सोरेन
मुख्यमंत्री, झारखंड सरकार

श्रीमती कल्पना सोरेन
विधायक, गांडेय (झा.मु.मो.)

स्वतंत्रता दिवस
के अवसर पर समस्त
झारखंड वासियों को
हार्दिक शुभकामनाएं

रामदास सोरेन
विधायक, घाटशिला सह सभापति
पंचायती राज विभाग झारखंड सरकार

तीन राज्यों में 15 घटनाओं को अंजाम देने वाले साला-बहनोई गिरफ्तार

DHANBAD : महाराष्ट्र, ओडिशा और पश्चिम बंगाल में साइबर अपराध से जुड़े 15 घटनाओं को अंजाम देने वाले साला-बहनोई को धनबाद जिला की साइबर और बरवाअड्डा थाना की पुलिस ने गिरफ्तार किया है। साला मंतोष रविदास और बहनोई रोहित रविदास को बुधवार को कोर्ट में पेश कर जेल भेज दिया गया। इन दोनो के पास से 6 स्मार्टफोन और नौ सिम कार्ड भी जब्त किया गया है। इन दोनों की गिरफ्तारी के संबंध में साइबर पुलिस उपाधीक्षक संजीव कुमार ने बताया कि पुलिस के प्रतिबिंब एप पर पांच मोबाइल नंबर का लोकेशन धनबाद के बरवाअड्डा इलाके में जयनगर दास बाती में मिला था। इसी के आधार पर छापेमारी की गई और दोनों को गिरफ्तार किया गया। इन दोनों पर तीन राज्यों के अलग-अलग थानों में 15 मामले दर्ज हैं। पूछताछ के क्रम में गिरफ्तार अपराधियों ने अपना अपराध स्वीकार करते हुए बताया कि वे पिछले एक वर्ष से साइबर अपराध कर रहे हैं। इनके द्वारा बताया गया कि ये बैंक अधिकारी बनकर विभिन्न राज्यों के लोगों को फोन कर उन्हें केवाईसी अपडेट करने एवं इंटरनेट बैंकिंग चार्ज के नाम पर उनसे ओटीपी प्राप्त कर उनके खाते से अवैध निकासी कर लेते थे।

स्वतंत्रता दिवस के अवसर पर
समस्त झारखंडवासियों को
हार्दिक शुभकामनाएं

VIKASH
MINERALS

VILLAGE BHATBIGHA
POST- P.S.-CHAUPARANDIST
HAZARIBAGH

श्री संतोष गंगवार
महामहिम राज्यपाल, झारखंड

श्री हेमंत सोरेन
माननीय मुख्यमंत्री, झारखंड

स्वतंत्रता दिवस के अवसर पर समस्त झारखंडवासियों को
हार्दिक शुभकामनाएं

हफीजुल हसन
माननीय मंत्री, अल्पसंख्यक कल्याण, नगर विकास एवं आवास विभाग,
पर्यटन कला संस्कृति खेलकूद युवा कार्य निबंधन विभाग
झारखंड सरकार

अनन्य मित्तल
उपायुक्त सह जिला दंडाधिकारी (आई.ए.एस.)
पूर्वी सिंहभूम

राम कुमार मद्धेशिया
जिला अवर निबंधक (झा. नि. से.)
जमशेदपुर, झारखंड

BRIEF NEWS

राज्यपाल ने उपराष्ट्रपति से दिल्ली में की मुलाकात

RANCHI : राज्यपाल संतोष कुमार गंगवार ने बुधवार को उपराष्ट्रपति जगदीप धनखड़ से नई दिल्ली स्थित उप-राष्ट्रपति निवास में मुलाकात की।

जूनियर डॉक्टर्स की दूसरे दिन भी स्ट्राइक जारी

RANCHI : कोलकाता के आरजीकेएमसीएच की जूनियर महिला डॉक्टर का रेप के बाद बेरहमी से हत्या के विरोध में रिम्स के जूनियर डॉक्टर का बुधवार को भी पेन डाउन स्ट्राइक जारी है। फेडरेशन ऑफ ऑल इंडिया मेडिकल एसोसिएशन (एफएआईएमए), रेजिडेंट डॉक्टर्स एसोसिएशन (आरडीए) के साथ रिम्स जूनियर डॉक्टर एसोसिएशन (जेडीए) ने मंगलवार को बैठक की, जिसमें दूसरे दिन भी पेन डाउन आंदोलन जारी रखने का फैसला किया है। जूनियर डॉक्टर के स्ट्राइक से मंगलवार को ओपीडी और रूटीन सर्जरी की सेवाएं प्रभावित रही।

एसपी के निर्देश पर चलाया गया एंटी क्राइम अभियान

RANCHI : रांची के ग्रामीण एसपी सुमित कुमार अग्रवाल के निर्देश पर मंगलवार देर रात ग्रामीण क्षेत्रों में एंटी क्राइम चेकिंग अभियान चलाया गया। इस दौरान दशमफॉल, राहे, मांडर, चान्हो, सोनाहातू, लापुंग, दलादली, इटकी, मुरी, महिला थाना बुंडू, नगड़ी, रातु, तमाड़, ओरमांझी, बुढ़मू और सिल्ली थाना के द्वारा चेकिंग किया गया।

विनय बने एनएसयूआई के प्रदेश अध्यक्ष

RANCHI : विनय उरांव एनएसयूआई के प्रदेश अध्यक्ष बनाए गए हैं। कांग्रेस के राष्ट्रीय अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे ने इस पर अपनी सहमति दे दी है। पार्टी के राष्ट्रीय महासचिव केसी वेणुगोपाल ने मंगलवार रात इस संबंध में प्रेस विज्ञप्ति जारी की। झारखंड-बिहार सहित नौ राज्यों के एनएसयूआई के प्रदेश अध्यक्षों की घोषणा हुई है।

छात्रा के साथ दुष्कर्म के दोषी को दस साल की सजा

RANCHI : पोक्सो के विशेष न्यायाधीश आसिफ इकबाल की अदालत ने बुधवार को आठवीं क्लास की छात्रा के साथ दुष्कर्म करने के मामले में दोषी करार हरमू निवासी संदीप कुमार पोद्दार को 10 साल की कैद की सजा सुनाई है। साथ ही उस पर 10 हजार रुपए का जुमार्ना लगाया है। जुमार्ना नहीं भरने पर उसे अतिरिक्त छह माह की सजा काटनी होगी। घटना को लेकर पीड़िता के भाई ने अरगोड़ा थाना में 14 फरवरी 2020 को प्राथमिकी दर्ज कराई थी। पीड़िता पटेल चौक स्थित दुकान में दोपहर 12.30 बजे लंच पहुंचाने गई थी।

सुरक्षा में आठ डीएसपी, इंस्पेक्टर सहित 1000 जवान किए जाएंगे तैनात

स्वतंत्रता दिवस पर मोरहाबादी में ड्रोन कैमरा से की जाएगी निगरानी

PHOTON NEWS RANCHI : स्वतंत्रता दिवस के मद्देनजर राजधानी रांची में सुरक्षा बढ़ा दी गयी है। स्वतंत्रता दिवस का मुख्य समारोह मोरहाबादी में आयोजित की जाएगी। सुरक्षा के लिए पूरे समारोह स्थल पर छह ड्रोन कैमरा से निगरानी रखी जाएगी। समारोह में कई वीवीआइपी की उपस्थिति होगी। इसे देखते हुए एसएसपी चंदन सिन्हा ने आठ डीएसपी, 24 से अधिक इंस्पेक्टर सहित 1000 जवानों की तैनाती समारोह स्थल पर की है। 1000 जवानों में रेपिड एक्सन पुलिस, इको, जैप, जैप महिला बटालियन, आइआइआरबी, ब्रज वाहन, वाटर कैनन, टीयर गैस, फायर ब्रिगेड आदि की तैनाती की गयी है। सुरक्षा को देखते हुए दो दिन पहले से ही देर रात पूरे जिला में होटलों की तलाशी की जा रही है। इसके अलावा वाहन चेकिंग अभियान भी चलाया जा रहा है। सभी थाना क्षेत्र में विशेष चौकसी बरतने का आदेश थाना प्रभारियों को दिया गया है। सभी थाना प्रभारी अतिसंवेदनशील क्षेत्र में विशेष चौकसी बरत रहे हैं और वहां विशेष रूप से सुरक्षाकर्मियों को भी तैनात किया गया है। एसएसपी चंदन कुमार सिन्हा ने बताया कि स्वतंत्रता दिवस समारोह को लेकर सुरक्षा के पुख्ता और कड़े इंतजाम किए गए हैं।

मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन रांची में करेंगे ध्वजारोहण

स्वतंत्रता दिवस पर गुरुवार को रांची के मोरहाबादी मैदान में होनेवाले राजकीय समारोह में मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन ध्वजारोहण करेंगे। ध्वजारोहण को लेकर सारी तैयारियां पूरी कर ली गई है। उपायुक्त राहुल कुमार सिन्हा ने बताया कि मुख्यमंत्री के ध्वजारोहण की सारी तैयारियां पूरी कर ली गई है इस अवसर पर मुख्यमंत्री परेड की सलामी लेंगे। मैदान के आसपास पार्किंग की व्यवस्था की गई है। मैदान में वाटरप्रुफ पंडाल का निर्माण भी किया गया है। झंडोत्तोलन और परेड की सलामी लेने के बाद मुख्यमंत्री आम लोगों को संबोधित करेंगे। वहीं दूसरी ओर राज्य सरकार के मंत्री अपने-अपने जिला मुख्यालय में तिरंगा फहराएंगे। मंत्री चंपाई सोरेन सरायकेला और डॉ. रामेश्वर उरांव लोहरदगा, सत्यानंद भोक्ता चतरा, बैजनाथ राम लातेहार, दीपक बिरूआ चाईबासा, बन्ना गुप्ता जमशेदपुर, इरफान अंसारी जामताड़ा, बेबी देवी बोकारो, दीपिका पांडेय सिंह गोड्डा, हफीजुल हसन देवघर और मिथिलेश ठाकुर गढ़वा में राष्ट्रीय ध्वज फहराएंगे।

राजधानी की ट्रैफिक व्यवस्था में किया गया बदलाव, बड़े वाहनों की नो एंट्री

PHOTON NEWS RANCHI : स्वतंत्रता दिवस को लेकर राजधानी रांची की ट्रैफिक व्यवस्था में बदलाव किया गया है। इसको लेकर शहर में 15 अगस्त की सुबह छह बजे से रात 10 बजे तक बड़े वाहनों के प्रवेश पर रोक लगायी गयी है। रिंग रोड की ओर से रांची आनेवाले वाहन बोड़ेया तक, चाईबासा-खूंटी से रांची आनेवाले वाहन बिरसा चौक तक, पलामू-लोहरदगा से रांची आने वाले वाहन तिलता चौक, गुमला सिमडेगा से रांची आनेवाले वाहन आइटीआइ बस स्टैंड तक, जमशेदपुर से रांची आने वाले वाहन दुर्गा सोरेन चौक नामकुम तक, कांके और पतरातू से रांची आने वाले वाहन चांदनी चौक तथा विकास की ओर से रांची एवं बरियातू आने वाले वाहन बूटी मोड़ तक ही आ पायेंगे। मोरहाबादी मैदान की ओर कार्यक्रम समाप्त होने तक आम वाहनों के प्रवेश पर रोक रहेगी। इसके लिए 15 स्थानों पर ड्रॉप गेट लगाये गये है। प्रशासन ने लोगों से अपील की है कि वे नियम का हर संभव पालन करें।

पार्किंग व्यवस्था

- मुख्यमंत्री, सांसद, विधायक एवं न्यायाधीश के लिए पार्किंग मुख्य मंच के पीछे बनायी गयी है।
- राज्य व केंद्र सरकार के पदाधिकारी ऑक्सीजन पार्क के सामने बनी पार्किंग में वाहन पार्क करेंगे।
- मीडियाकर्मी बापू वाटिका के सामने बने पार्किंग स्थल पर वाहन पार्क करेंगे।

महिला सुरक्षा के मद्देनजर पुलिस ने उठाया कदम

डायल-112 के क्यूआर कोड से करें शिकायत

डायल-112 का क्यूआर कोड जारी करते पुलिस पदाधिकारी । ● फोटोन न्यूज

PHOTON NEWS RANCHI : पुलिस ने महिला सुरक्षा के मद्देनजर और एटीएम संबंधी अपराध की रोकथाम एवं त्वरित कार्रवाई के लिए डायल-112 का क्यूआर कोड बनाया है।

डीआईजी अनूप बिरथरे, एसएसपी चंदन कुमार सिन्हा, सिटी एसपी राजकुमार मेहता और ग्रामीण एसपी सुमित कुमार अग्रवाल ने बुधवार को संयुक्त रूप से क्यूआर कोड का विमोचन किया। डीआईजी ने बताया कि इस क्यूआर कोड जिला के सभी ऑटो, ई-रिक्शा और नगर निगम के सभी बसों पर चिपकाया जायेगा। इसे महिला आसानी से स्कैन कर डायल-112 में छेड़खानी संबंधी और अन्य शिकायत दर्ज कर सकेंगी। इसी प्रकार एटीएम संबंधी धोखाधड़ी या साईबर अपराध की सूचना और शिकायत के लिए क्यूआर कोड बनाया गया है। इसे शहर के सभी एटीएम में चिपकाया जायेगा। इससे सभी लोग आसानी से आवश्यकता पड़ने पर स्कैन कर डायल-112 में अपनी शिकायत दर्ज करा सकेंगे। इस प्रकार इन क्यूआर कोड की की व्यवस्था के माध्यम से डायल-112 को और अधिक प्रभावी बनाया गया है ताकि लोग आसानी से अपनी शिकायतें दर्ज कर सके एवं उनको त्वरित सहायता मिल सके।

होटल में पुलिस का छापा सेक्स रैकेट का खुलासा

PHOTON NEWS RANCHI : रांची के अरगोड़ा थाना क्षेत्र के होटल होटल मौर्या में पुलिस ने छापेमारी कर सेक्स रैकेट का खुलासा किया है। रांची पुलिस ने पांच लड़कियों और दो युवकों सहित सात को गिरफ्तार किया है। एसएसपी चंदन सिन्हा के निर्देश पर हटिया डीएसपी पीके मिश्रा के नेतृत्व में छापेमारी की गई है। हटिया डीएसपी पीके मिश्रा ने बुधवार को बताया कि देह व्यापार की सूचना पर होटल मौर्या में छापेमारी की गई, जिसमें आपत्तिजनक हालत में पांच लड़कियां और दो लड़के पकड़े गए है। सभी से पूछताछ की जा रही है।

डीएसपीएमयू में संस्कृत सप्ताह 16 से 22 अगस्त तक

RANCHI : डॉ. श्यामा प्रसाद मुखर्जी विवि (डीएसपीएमयू), रांची झारखंड संस्कृत अकादमी और संस्कृत भारती के संयुक्त तत्त्वावधान में 16 अगस्त से 22 अगस्त तक संस्कृत सप्ताह का आयोजन किया जायेगा। इस दौरान उद्घाटन एवं सम्पूर्त्ति सत्र के अतिरिक्त शोभायात्रा, श्लोकपाठ प्रतियोगिता, संस्कृत भाषण प्रतियोगिता, संस्कृत निबन्ध प्रतियोगिता, एकल एवं सामूहिक नृत्य-गीत प्रतियोगिता तथा पोस्टर प्रतियोगिता का आयोजन किया जायेगा। सभी विजयी प्रतिभागियों को सम्पूर्त्ति सत्र के दौरान पुरस्कृत किया जायेगा। इन प्रतियोगिताओं में किसी भी विषय और किसी भी उच्च शिक्षा संस्थान के विद्यार्थी भाग ले सकते हैं। झारखंड संस्कृत अकादमी का गठन संस्कृत के प्रचार-प्रसार के लिए संस्कृतानुरागियों द्वारा किया गया है।

सरला बिरला स्कूल के छात्रों ने निकाली तिरंगा यात्रा

RANCHI : आगामी 78वें स्वतंत्रता दिवस के उपलक्ष्य में सरला बिरला पब्लिक स्कूल, रांची के विद्यार्थियों ने देशभक्ति की भावना से ओतप्रोत तिरंगा यात्रा का आयोजन किया। इस अवसर पर विशेष आमंत्रित अतिथि के रूप में राज्यसभा सांसद एवं भाजपा, झारखंड के जेनरल सेक्रेटरी डॉ। प्रदीप वर्मा उपस्थित थे। इस तिरंगा यात्रा में राजकीय उत्क्रमित विद्यालय, महिलौंग और राजकीय उत्क्रमित विद्यालय, आरा के विद्यार्थियों ने भी भाग लिया। स्वतंत्रता दिवस पर सरला बिरला पब्लिक स्कूल में पूरे सप्ताह देशभक्ति पर आधारित कार्यक्रम आयोजित किए गए।

संथाल को बांग्लास्तान बनाने की रची जा रही साजिश : बाबूलाल मरांडी

PHOTON NEWS RANCHI : भाजपा प्रदेश अध्यक्ष बाबूलाल मरांडी ने कहा कि झारखंड के बड़े हिस्से संथाल बहुल इलाके को बांग्लास्तान बनाने की साजिश चल रही है। बाबूलाल ने खुफिया एजेंसियों का हवाला देकर एक्स पर बुधवार को पोस्ट में लिखा कि झारखंड के बड़े हिस्से (संताल बहुल इलाके), बिहार का किशनगंज, पश्चिम बंगाल, अधिकांश उत्तर पूर्वी राज्य, नेपाल और म्यांमार के कुछ हिस्से को मिलाकर बांग्लास्तान नामक देश बनाने की साजिश चल रही है। पांच अगस्त को शेख हसीना

सरकार की तख्तापलट के बाद कट्टरपंथी गजवातुल-हिंद (गैर मुसलमानों के खिलाफ युद्ध) और इस्लामिक बांग्लादेश के मकसद को पूरा करने की जुगत में लगे हैं। बांग्लादेश में उत्पन्न हालात और कट्टरपंथियों का खतरनाक मंसूबा पूरे देश के साथ-साथ झारखंड के लिए भी अत्यंत संवेदनशील है। झारखंड में जिस प्रकार अचानक से बांग्लादेशी मुसलमानों की आबादी बढ़ी है, उससे ऐसा लगता है कि कांग्रेस और झामुमो भी कट्टरपंथियों के मकसद को पूरा करने में लगे हैं। राजनीतिक स्वार्थ के लिए देश और समाज का विभाजन करने वाली कांग्रेस-झामुमो जैसी पार्टियां सत्ता के लिए हमेशा विदेशी ताकतों के साथ ही खड़ी नजर आयी हैं।

विश्वनाथ को बनाया गया चीफ जस्टिस का ओएसडी

RANCHI : झारखंड हाईकोर्ट ने जिला जज रैंक के 9 न्यायिक पदाधिकारियों की ट्रांसफर पोस्टिंग की है। इसकी नॉटिफिकेशन जारी कर दी है। ट्रांसफर पोस्टिंग का नॉटिफिकेशन जारी होने के बाद इन्हें अविलंब नए पदस्थापन वाली जगह पर योगदान देने का निर्देश दिया गया है। सूची के मुताबिक, हाईकोर्ट के वर्तमान रजिस्ट्रार मोहम्मद शाकिर का चाईबासा कोर्ट के प्रधान न्यायाधीश के पद पर तबादला किया गया है। विश्वनाथ शुक्ल को हाईकोर्ट के चीफ जस्टिस का ओएसडी नियुक्त किया गया है। साथ ही फहीम किरमानी को बोकारो के तेनुघाट और बेरमो कोर्ट में जिला एवं सत्र न्यायाधीश के पद पर नियुक्त किया गया है।

पुस्तक के लोकार्पण में सांसद महुआ माजी ने की शिरकत

'अंबेडकरः एक जीवन' पुस्तक के लोकार्पण में मौजूद डॉ.शशि थरूर, महुआ माजी।

PHOTON NEWS RANCHI : लोकप्रिय सांसद एवं लेखक डॉ.शशि थरूर (साहित्य अकादमी पुरस्कार से सम्मानित) की पुस्तक 'अंबेडकरः एक जीवन' के लोकार्पण एवं परिचर्चा कार्यक्रम में वक्ता के रूप में राज्यसभा सांसद एवं हिंदी की वरिष्ठ लेखिका डॉ.महुआ माजी शामिल हुईं। इंडिया इंटरनेशनल सेंटर, नई दिल्ली में हुए कार्यक्रम में पुस्तक के लेखक डॉ. शशि थरूर, अनुवादक अमरेश द्विवेदी, दिल्ली विश्वविद्यालय के हिंदी विभाग के पूर्व अध्यक्ष प्रोफेसर श्यौराज सिंह बेचैन, दिल्ली विश्वविद्यालय के लक्ष्मीबाई कॉलेज में असिस्टेंट प्रोफेसर अदिति पासवान और जामिया मिलिया इस्लामिया से प्रोफेसर अरविंद कुमार मौजूद रहे। वाणी प्रकाशन ग्रुप द्वारा आयोजित कार्यक्रम में प्रकाशक अरुण माहेश्वरी, अदिति माहेश्वरी, प्रख्यात लेखिका मृदुला गर्ग सहित हिंदी के महत्वपूर्ण लेखक, प्रोफेसर, विभिन्न क्षेत्रों के बुद्धिजीवी, साहित्य प्रेमी एवं विद्यार्थी मौजूद थे।

सरकार से वार्ता के बाद होटल अशोक के कर्मचारियों ने आत्मदाह का टाला फैसला

RANCHI : 15 अगस्त की दोपहर 2 बजे होटल रांची अशोक के कर्मचारियों के आत्मदाह के फैसले के बाद प्रदेश सरकार की तरफ से एक समझौता वार्ता की गई। जिसमें सरकार के प्रतिनिधि की तरफ से कर्मचारियों से दो महीने का समय मांगा गया। पर्यटन निदेशक ने भारत पर्यटन विकास निगम के प्रतिनिधि से कहा कि कर्मचारियों को हर माह वेतन देने की व्यवस्था करें और इनके समस्त बकाये वेतन का तुरंत भुगतान करवाएं। इसपर होटल के वरिष्ठ कर्मचारी पंकज कुमार ने कहा कि हम आपकी बात मानने के लिए तैयार हैं, लेकिन दो महीना होने के बाद हमलोग आपको सूचित भी नहीं करेंगे और घर में ही आत्मदाह कर लेंगे। बैठक में पर्यटन निदेशक, सीटी एस पी, एस डी एम, जिला पर्यटन पदाधिकारी, भारत पर्यटन विकास निगम के प्रतिनिधि अविनाश गजरानी मौजूद रहे।

एसपी दीपक सहित 19 पुलिसकर्मियों को वीरता के लिए दिया जाएगा मेडल

PHOTON NEWS RANCHI : स्वतंत्रता दिवस के अवसर पर एसपी दीपक पांडेय सहित झारखंड के 19 पुलिसकर्मियों और पदाधिकारियों को विभिन्न श्रेणियों में वीरता पदक और सराहनीय सेवा पदक से सम्मानित किया जायेगा। सात पुलिस कर्मियों को वीरता के लिए और 11 पुलिस कर्मियों को सराहनीय सेवा के लिए पदक दिया जायेगा। वहीं पहली बार झारखंड फायर सर्विस के कर्मियों को वीरता पदक दिया जायेगा। इसके अलावा झारखंड अग्निशमन विभाग के फायरमैन प्यारेलाल तांबवार को वीरता पदक मिलेगा।

इन्हें मिलेगा वीरता पदक

एसपी दीपक पांडेय
सब इंस्पेक्टर विश्वजीत सिंह
एएसआई सच्चिदानंद सिंह
हवलदार उमेश सिंह
सिपाही सुभाष दास
सिपाही रविंद्र टोप्पो
सिपाही गोपाल गंझु

इन्हें मिलेगा सराहनीय सेवा पदक

सिपाही रविंद्र कुमार सिंह
सिपाही विमल कुमार छेत्री
हवलदार सलोमी मिंज
हवलदार संजय उरांव
सिपाही हेमा रानी
सिपाही रेखा कुमारी
सिपाही संजीव गुप्ता
हवलदार ऋतुराज
हवलदार राजेंद्र राम
हवलदार अरुण उरांव
हवलदार संजय कुमार

पहली बार सम्मानित होंगे फायरमैन प्यारे लाल तंबवार

पहली बार झारखंड अग्निशमन विभाग के फायरमैन प्यारे लाल तंबवार को स्वतंत्रता दिवस पर वीरता पदक से सम्मानित किया जायेगा। उन्हें यह सम्मान कोलतार भंडारण सहित कई जगहों पर लगी आग बुझाकर लोगों की जान बचाने के लिए मिलेगा। प्यारे लाल तंबवार साल 1990 में फायरमैन ड्राइवर के रूप में नियुक्त हुए थे। वे तब से पूरी ईमानदारी और मेहनत से अपने कर्तव्य का पालन करते रहे हैं। अग्निशमन सेवा में नियुक्त होने के बाद तंबवार जमशेदपुर, डाल्टनगंज, सिंदरी डोरंडा, गुमला, मानगो (जमशेदपुर) और साहेबगंज में कार्यरत रहे हैं। उन्होंने सैकड़ों आग बुझाने की घटनाओं में भाग लिया और लोगों की जान बचायी। साहेबगंज जिले के हाजीपुर गांव में 16 मई, 2023 को एक सड़क निर्माण स्थल पर भीषण आग लग गयी थी।

सब्जी कारोबारी लूटकांड में दो अपराधी गिरफ्तार

RANCHI : सुखदेवनगर थाना क्षेत्र के इंद्रपुरी स्थित रोड नंबर एक के समीप स्कूटी सवार दो अपराधियों ने चाकू के बल पर एक सब्जी व्यवसायी के कर्मचारी से 42 हजार लूट लिया था। कोतवाली डीएसपी प्रकाश सोए के नेतृत्व में पुलिस की टीम ने कार्रवाई करते हुए राहुल बड़ाईक और बॉबी लोहरा नाम के दो अपराधियों को गिरफ्तार किया। दोनों के पास से पुलिस ने 8500 नकद भी बरामद किया है। पीड़ित संजय चौरसिया से 42 हजार की लूट हुई थी। लेकिन पीड़ित ने अपने मालिक को बताया कि 2।42 लाख की लूट हुई है। उसके बाद पुलिस को भी बताया कि करीब ढाई लाख की लूट हुई है। पुलिस को इस बात की जानकारी मिली है कि संजय ने अपने मालिक और पुलिस को दो लाख ज्यादा की लूट दिखाकर पैसे हड़पने की फिराक में था।

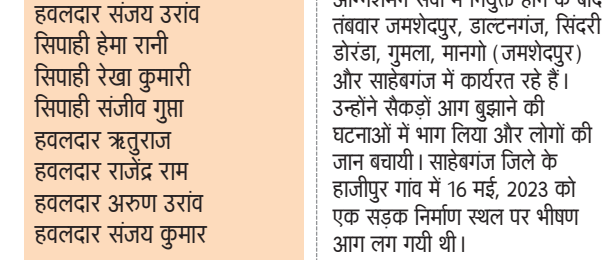

अंतरराष्ट्रीय सुब्रतो कप अंडर 17 बालिका वर्ग फुटबॉल के फाइनल में लहराया परचम

रांची लौटीं बेटियों का जोरदार स्वागत

PHOTON NEWS RANCHI : 63वीं अंतराष्ट्रीय सुब्रतो कप अंडर 17 बालिका वर्ग फुटबॉल के फाइनल प्रतियोगिता में बांग्लादेश को 4-1 से पराजित कर चैंपियन बच्चियां आज फ्लाइट से दोपहर एक बजे रांची पहुंची। बच्चियों के लिए झारखंड शिक्षा परियोजना परिषद के रांची स्थित मुख्यालय में भव्य सम्मान सह स्वागत समारोह आयोजित किया गया। चैंपियंस बच्चियों को पदाधिकारियों ने पुष्पगुच्छ और उपहार देकर उनका उत्साहवर्धन किया। बच्चियों के स्वागत के लिए मौजूद राज्य शिक्षा परियोजना निदेशक श्री आदित्य रंजन और राज्य कार्यक्रम पदाधिकारी श्री धीरसेन सोरेंग ने बच्चियों को इस जीत के लिए बधाई और भविष्य

के लिए शुभकामनायें दी। चैंपियन बच्चियों ने स्कूली शिक्षा एवं साक्षरता विभाग के सचिव उमाशंकर सिंह से मुलाकात की और खेलो के प्रोत्साहन और प्रशिक्षण के लिए राज्य सरकार द्वारा दिए जा रहे सहयोग के लिए मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन और विभाग का आभार प्रकट किया। बच्चियों ने भविष्य में और भी अंतरराष्ट्रीय प्रतियोगिताओ में झारखंड और देश का प्रतिनिधित्व करने की इच्छा जाहिर की और इसके लिए लगातार प्रयास जारी रखने का संकल्प लिया। मुलाकात के दौरान स्कूली शिक्षा एवं साक्षरता विभाग के सचिव उमाशंकर सिंह ने बच्चियों का हौसला बढ़ाते हुए उन्हें हर संभव सहयोग का आश्वासन दिया। उमाशंकर सिंह ने कहा कि राज्य सरकार झारखंड में खेल और खिलाड़ियों के विकास हेतु प्रतिबद्ध है और लगातार स्कूली स्तर पर खेलो के प्रोत्साहन के लिए कार्य किया जा रहा है। विद्यालयों में स्पोर्ट्स क्लब भी बनाया गया है, जिसके माध्यम से खेलकूद संबंधी गतिविधियों को प्रोत्साहित किया जा रहा है। प्रतियोगिता की चैंपियन बच्चियां आज दोपहर एक बजे फ्लाइट से रांची पहुंची। रांची एयरपोर्ट से बस में बच्चियां जेईपीसी आयी, जहां उन्हें सम्मानित किया गया। शुरू से ही झारखंड की बेटियों का दमदार प्रदर्शन देखने को मिला। टीम ने अपने सभी मैचों में प्रतिद्वंदी टीम को बड़े अंतर से पराजित किया। अपने पहले मुकाबले में झारखंड की टीम ने दिल्ली को 7-0, दूसरे मुकाबले में गुजरात को 3-0, तीसरे मुकाबले में अरुणाचल प्रदेश को 13-0, क्वार्टर फाइनल में त्रिपुरा को 2-0, सेमीफइनल में हरियाणा को 4-2 और फाइनल में बांग्लादेश को 4-1 से हराकर परचम लहरा दिया है।

स्वतंत्रता दिवस पर
हार्दिक शुभकामनाएं

कल्पना झा

डायरेक्टर
अराध्या एचआर. कंसल्टेंट प्राइवेट लिमिटेड
सुभाष नगर हाउसिंग काम्प्लेक्स,
हुगली, पश्चिमी बंगाल
Mail ID- aradhayaconsultants@gmail.com
Mob-9088604844

स्वतंत्रता दिवस के अवसर पर सभी को
हार्दिक शुभकामनाएं

अनुमंडल कार्यालय परिवार
घाटशिला, पूर्वी सिंहभूम, झारखंड

स्वतंत्रता दिवस के अवसर पर
समस्त झारखंड वासियों को
हार्दिक शुभकामनाएं

विनय कुमार
इंस्पेक्टर व ऑफिसर इंचार्ज, तिलैया थाना

कल से चलेगी टाटानगर-जयनगर साप्ताहिक एक्सप्रेस

JAMSHEDPUR : टाटानगर-जयनगर-टाटानगर साप्ताहिक एक्सप्रेस 16 अगस्त से चलेगी। इसकी घोषणा रेलवे ने कर दी है। रेलवे के द्वारा जारी सर्कुलर के मुताबिक ट्रेन नंबर-18119/18120 टाटानगर - जयनगर-टाटानगर एक्सप्रेस सप्ताह में अप-डाउन एक फेरा लगाएगी। टाटानगर से ट्रेन नंबर 18119 टाटानगर-जयनगर एक्सप्रेस हर शुक्रवार को शाम 6 बजे खुलेगी, जो शनिवार दोपहर 11.30 बजे जयनगर पहुंचेगी। वहीं, ट्रेन नंबर-18120 जयनगर-टाटानगर एक्सप्रेस हर शनिवार को जयनगर से शाम 7.30 बजे खुलेगी और रविवार दोपहर 11.30 बजे टाटानगर पहुंचेगी। **यहां रहेगा स्टॉपेज :** चांडिल, मुरी, कोटशिला, राजाबेरा, धनबाद, मधुपुर, जसीडीह, झाझा, किऊल, बरौनी, समस्तीपुर, दरभंगा, सकरी, मधुबनी, जयनगर।

स्वतंत्रता दिवस के अवसर पर
समस्त झारखंड वासियों को
हार्दिक शुभकामनाएं

अमित खलखो
कार्यपालक अभियंता, विद्युत विभाग
चक्रधरपुर प्रमंडल

स्वतंत्रता दिवस के अवसर पर
समस्त झारखंड वासियों को
हार्दिक शुभकामनाएं

एक शुभचिंतक

स्वतंत्रता दिवस के अवसर पर
समस्त झारखंड वासियों को
हार्दिक शुभकामनाएं

एक शुभचिंतक

स्वतंत्रता दिवस के अवसर पर
समस्त चक्रधरपुर वासियों को
हार्दिक शुभकामनाएं

शशि शेखर मिंज
प्रोपराइटर
शिखर इंडियन गैस
चक्रधरपुर

स्वतंत्रता दिवस के अवसर पर
समस्त झारखंड वासियों को
हार्दिक शुभकामनाएं

सुर रंजन राय
पूर्व उपाध्यक्ष, भाजपा, जमशेदपुर महानगर

एल.बी.एस.एम. कॉलेज, जमशेदपुर
योग्य शिक्षक एवं निपुण शिक्षकेत्तर कर्मचारी
इंटरमीडिएट सहित स्नातक एवं स्नातकोत्तर की पढ़ाई की
व्यवस्था के साथ गुणवत्तापूर्ण शिक्षा के लिए समर्पित।
एल.बी.एस.एम. कॉलेज परिवार की ओर से
स्वतंत्रता दिवस पर
हार्दिक शुभकामनाएं

डॉ. अशोक कुमार झा
प्राचार्य, एलबीएसएम कॉलेज,
करनडीह, जमशेदपुर, झारखंड

स्वतंत्रता दिवस के अवसर पर
समस्त झारखंड वासियों को
हार्दिक शुभकामनाएं

पीयूष कानोडिया
भाजपा नेता
नॉर्थ 24 परगना, वेस्ट बंगाल

स्वतंत्रता दिवस के अवसर पर
समस्त झारखंड वासियों को
हार्दिक शुभकामनाएं

पूरबी घोष
समाजसेवी

स्वतंत्रता दिवस
पर आप सभी को
हार्दिक बधाई एवं शुभकामनाएं

गीता कोड़ा
पूर्व सांसद, सिंहभूम, झारखण्ड

निवेदक : गीता कोड़ा पूर्व सांसद, सिंहभूम लोकसभा, झारखण्ड

बांग्लादेश में हिंदुओं पर अत्याचार के खिलाफ फूंका कट्टरपंथियों का पुतला

GHATSILA : बांग्लादेश में हिंदुओं पर हो रहे अत्याचार के खिलाफ हिंदू धर्मावलंबियों ने बुधवार को बांग्लादेशी कट्टरपंथियों का पुतला फूंका। मऊभंडार मुख्य चौक पर रामनवमी केंद्रीय अखाड़ा समिति के अध्यक्ष रुपेश दूबे के नेतृत्व में जमकर नारेबाजी की गई। वक्ताओं ने कहा कि बांग्लादेश में जो कुछ भी हो रहा है, उसे कतई बर्दाश्त नहीं किया जा सकता है। भारत सरकार से मांग करते हैं कि बांग्लादेश समेत पूरी दुनिया में जहां भी हिंदू है उनकी सुरक्षा पर विशेष ध्यान दिया जाए। प्रदर्शन करने वालों में पूर्वी मऊभंडार के पंसस विजय पांडेय, प्रदीप सिंह तोमर, प्रमोद सिंह, मंतोष मंडल, सिद्धार्थ प्रसाद, जयंत उपाध्याय, मुनीब शर्मा, चेतन सिन्हा, प्रकाश क्षेत्री, दिल बहादुर सोनार, नवल सिंह, धर्मेन्द्र सिंह, संजीव सिंह तोमर, राकेश दुबे, रमेश जायसवाल, मानिक मोहंती, हिमालय बागती, रिंकू सिंह, राजेश शर्मा, श्रवण कुमार, कौशिक कुमार, हरप्रीत सिंह, साहिल आनंद, कुलदीप सिंह, मंटू प्रजापति, सिपेश शर्मा, आशीष सिंह, राजेश शर्मा, विमल सिंह, अमलान रॉय, गोविंदा बेहरा समेत कई लोग उपस्थित थे।

www.mbnsinstitutes.com

MBNS GROUP OF INSTITUTIONS
(Run & Managed by Sri Acharya Gurukul Educational Trust)

ADMISSION OPEN FOR SESSION 2024-2025

B.B.A. with VALUE ADDED PROGRAM
3 Year. AICTE APPROVED FULL TIME PROGRAM

B.A. In English, Hindi, History, Sociology, Political Sc., Eco
B.A. In Mass Communication
D.El.Ed. 60 SEAT
B.Sc. NURSING 60 SEAT
B.Com. with VALUE ADDED PROGRAM
B.Ed. 100 SEAT
D.Pharma 60 SEAT
GNM 60 SEAT

EASY LOAN FACILITY AVAILABLE

UNIQUE FEATURES :
- LEARNING THROUGH PRACTICAL
- FACULTY WITH INDUSTRY EXPERIENCE
- SPECIAL SKILL TRAINING
- INTERNSHIP
- PERSONALITY DEVELOPMENT
- B.S.E & N.S.E., G.S.T., INCOME TAX CLASSES
- LIBRARY WITH HUGE NUMBER OF BOOKS & JOURNALS

100% PLACEMENT ASSISTANCE

Affiliation and Recognition
& HIGHER AND TECHNICAL EDUCATION RANCHI, JHARKHAND

BEST FOUNDATION FOR YOUR BETTER CAREER
GROOMING STUDENTS WITH VALUES

NH-18(OLD NH-33), Asanbani, Near Kali Mandir, Jamshedpur, P.O- Kanderbera, P.S- Chandil, Dist.- Seraikela-Kharswan Pin- 832401
9939953180 / 6204889469

स्वतंत्रता दिवस के अवसर पर
समस्त झारखंड वासियों को
हार्दिक शुभकामनाएं

डॉ. विजय कुमार पीयूष
प्राचार्य, एबीएम कॉलेज, जमशेदपुर, झारखंड

18-19 अगस्त को महादेवशाल में 2 मिनट के लिए रुकेंगी 4 ट्रेनें

JAMSHEDPUR : दक्षिण पूर्व रेलवे जोन ने सावन महीने में महादेवशाल शिव मंदिर में श्रद्धालुओं की आवाजाही को लेकर 18 और 19 अगस्त को 4 ट्रेनों को 2 मिनट का अस्थायी ठहराव दिया है। ये चारों ट्रेन अप-डाउन दोनों ओर से 2 मिनट महादेवशाल स्टेशन पर रूकेगी। इसमें हावड़ा-अहमदाबाद-हावड़ा एक्सप्रेस, टाटानगर-एनार्कुलम टाटानगर एक्सप्रेस, पुरी-योगनगरी ऋषिकेश- पुरी एक्सप्रेस और शालीमार-एलटीटी मुंबई-शालीमार एक्सप्रेस शामिल है।

देशभक्ति गीत संगीत व नृत्य पर झूमा पिल्लई हॉल

CHAIBASA : स्वतंत्रता दिवस की पूर्व संध्या पर जिला प्रशासन ने पिल्लई हॉल में सांस्कृतिक कार्यक्रम का आयोजन किया, जिसमें देशभक्ति गीत, संगीत व नृत्य की प्रस्तुति पर जिलेवासी खूब झूमे। इसमें चाईबासा स्थित अनेक कॉलेज और विद्यालय के छात्र-छात्राओं द्वारा स्वतंत्रता दिवस पर आधारित रंगारंग सांस्कृतिक कार्यक्रम और गीत नाट्य की प्रस्तुति की गई। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में अजा-अजजा, पिछड़ा वर्ग कल्याण विभाग व परिवहन विभाग के मंत्री दीपक बिरुवा, जिला परिषद की अध्यक्ष लक्ष्मी सुरीन, उपायुक्त कुलदीप चौधरी, पुलिस अधीक्षक आशुतोष शेखर, उपविकास आयुक्त संदीप कुमार मीणा, अपर उपायुक्त कमलेश्वर नारायण, सदर अनुमंडल पदाधिकारी अनिमेष रंजन, जिला आपूर्ति पदाधिकारी सुनीला खलखो, जिला जनसंपर्क पदाधिकारी ईशा खंडेलवाल, जिला खेल पदाधिकारी रूपा रानी तिर्की सहित जिला स्तरीय अन्य पदाधिकारी और गणमान्य उपस्थित रहे।

स्वतंत्रता दिवस के अवसर पर
समस्त झारखंड वासियों को
हार्दिक शुभकामनाएं

डॉ. अंशुमन शर्मा
प्रभारी चिकित्सा पदाधिकारी
अनुमंडल अस्पताल
चक्रधरपुर

स्वतंत्रता दिवस के अवसर पर
समस्त चक्रधरपुर वासियों को
हार्दिक शुभकामनाएं

गिरजा नंद किस्कू
अंचल अधिकारी
चक्रधरपुर, पश्चिमी सिंहभूम
झारखंड

स्वतंत्रता दिवस के अवसर पर समस्त देशवासियों को
हार्दिक शुभकामनाएं
M/s Riya Enterprises

Franchise of
Royal Health
India Private
Limited

स्वतंत्रता दिवस के अवसर पर
समस्त झारखंड वासियों को
हार्दिक शुभकामनाएं

गीता मुर्मू
भाजपा जिला मंत्री सह
गालूडीह मंडल प्रभारी
घाटशिला विधानसभा क्षेत्र

स्वतंत्रता दिवस के अवसर पर
समस्त चक्रधरपुर वासियों को
हार्दिक शुभकामनाएं

राकेश महेश्वरी
समाज सेवी
चक्रधरपुर, पश्चिमी सिंहभूम

स्वतंत्रता दिवस के अवसर पर
समस्त चक्रधरपुर वासियों को
हार्दिक शुभकामनाएं

नर्गिस खातून
सचिव
सृजन महिला विकास मंच
चक्रधरपुर, पश्चिमी सिंहभूम

स्वतंत्रता दिवस के अवसर पर
समस्त चक्रधरपुर वासियों को
हार्दिक शुभकामनाएं

गोल्डी सिंह
समाजसेवी
चक्रधरपुर, पश्चिमी सिंहभूम

MADHUSUDAN
Nurturing Young Talents...
RESIDENTIAL | CO-EDUCATION | ENGLISH MEDIUM
MADHUSUDAN, A Trusted Name in the Field of Quality Education.
MSM CBSE MPS CBSE
30 Years of Glorious Journey
MADHUSUDAN wishes all the Parents, Teachers, Students & Well Wishers a
HAPPY INDEPENDENCE DAY
S. S. MAHTO
CHAIRMAN
MSM
MPS
Up to 10+2
Providing HOSTEL FACILITY in the Region for the past 30 years
AERIAL VIEW OF MADHUSUDAN CAMPUS
www.msmckp.com | www.mpsckp.com
Asantalia, Chakradharpur, W. Singhbhum, Jharkhand
9955475737 | 9934534059

श्री श्री राधा गोविंद मंदिर समिति
की ओर से
स्वतंत्रता दिवस के अवसर पर देशवासियों को
हार्दिक शुभकामनाएं

आदिकांत षाड़ंगी
श्री श्री राधा गोविंद मंदिर समिति के प्रमुख
समाजसेवी सह अधिवक्ता
चक्रधरपुर

मधुसूदन महतो टीचर्स ट्रेनिंग कॉलेज
लाउड़िया चक्रधरपुर
स्वतंत्रता दिवस के अवसर पर झारखंड वासियों को शुभकामनाएं

प्रिया देवी
सचिव

श्याम लाल महतो
निदेशक

स्वतंत्रता दिवस के अवसर पर
समस्त झारखंड वासियों को
हार्दिक शुभकामनाएं

डॉ. अमर सिंह
प्राचार्य, जमशेदपुर को-ऑपरेटिव कॉलेज
जमशेदपुर, झारखंड

स्वतंत्रता दिवस के अवसर पर
समस्त झारखंड वासियों को
हार्दिक शुभकामनाएं

मनोहरपुर आरपीएफ ने तीन किशोरियों को कराया मुक्त

MANOHARPUR : पश्चिमी सिंहभूम जिला में सपने दिखाकर बाल तस्करी जारी है। इसका ताजा उदाहरण बुधवार को दिखा। गुप्त सूचना के आधार पर तीन नाबालिग को दिल्ली ले जाने के क्रम में रेलवे सुरक्षा बल ने दलाल से मुक्त कराया। मुख्य आरोपी दलाल को विरासत में लेकर पूछताछ की जा रही है।

जानकारी के अनुसार सोनुआ थाना क्षेत्र के दानियल चांपिया नामक दलाल द्वारा तीन नाबालिग के परिजनों को ऊंचे सपने और अधिक पैसा कमाने का लालच देकर गोईलकेरा से उत्कल एक्सप्रेस से दिल्ली ले जा रहा था। इसकी जानकारी मिलने पर बुधवार की सुबह रेलवे सुरक्षा बल के जवानों ने ट्रेन से मनोहरपुर स्टेशन पर बरामद किया। सभी बालिकाओं के पुनर्वास के लिए बाल संरक्षण विभाग के जगरनाथ पोद्दार द्वारा चाईबासा ले जाया जा रहा है। इस मामले पर प्रोटेक्शन ऑफिसर डॉ. कृष्णा कुमार तिवारी ने बताया कि सभी किशोरियों को सुरक्षित कर बाल कल्याण समिति, चाईबासा के समक्ष प्रस्तुत किया जाएगा। उक्त किशोरियों को जिला प्रशासन बाल देखरेख संस्थान में रखकर उनका परामर्श एवं व्यक्तिगत देखरेख योजना तैयार की जाएगी, जिससे इन किशोरियों को राज्य सरकार द्वारा संचालित कार्यक्रम स्पॉन्सरशिप से जोड़कर प्रतिमाह 4 हजार रुपये की वित्तीय सहायता प्रदान की जाएगी।

With Best Compliments from :
JAMSHEDPUR WORKERS' COLLEGE

'B' Accredited by NAAC
We Offer B.A. B.Sc., B.Com, BBA, BCA & MBA
P.G. in History, Geography, Commerce, Political Science & Urdu
for more details visit our website :- jwcmango.ac.in,
E-mail-ID ;- jwc.mango1.com, jwcmango@yahoo.co.in
Help Desk No. - 0657-2364077/87, 947094382

Dr. S.P. Mahalik
Principal
Jsr. Workers' College

स्वतंत्रता दिवस के अवसर पर
समस्त झारखंड वासियों को
हार्दिक शुभकामनाएं

एपीजे अब्दुल कलाम स्कूल, कालिकानगर मानगो

मो. ताहिर हुसैन
डायरेक्टर

आजादी के महापर्व
स्वतंत्रता दिवस
के अवसर पर
समस्त चक्रधरपुर विधानसभावासियों को
हार्दिक शुभकामनाएं

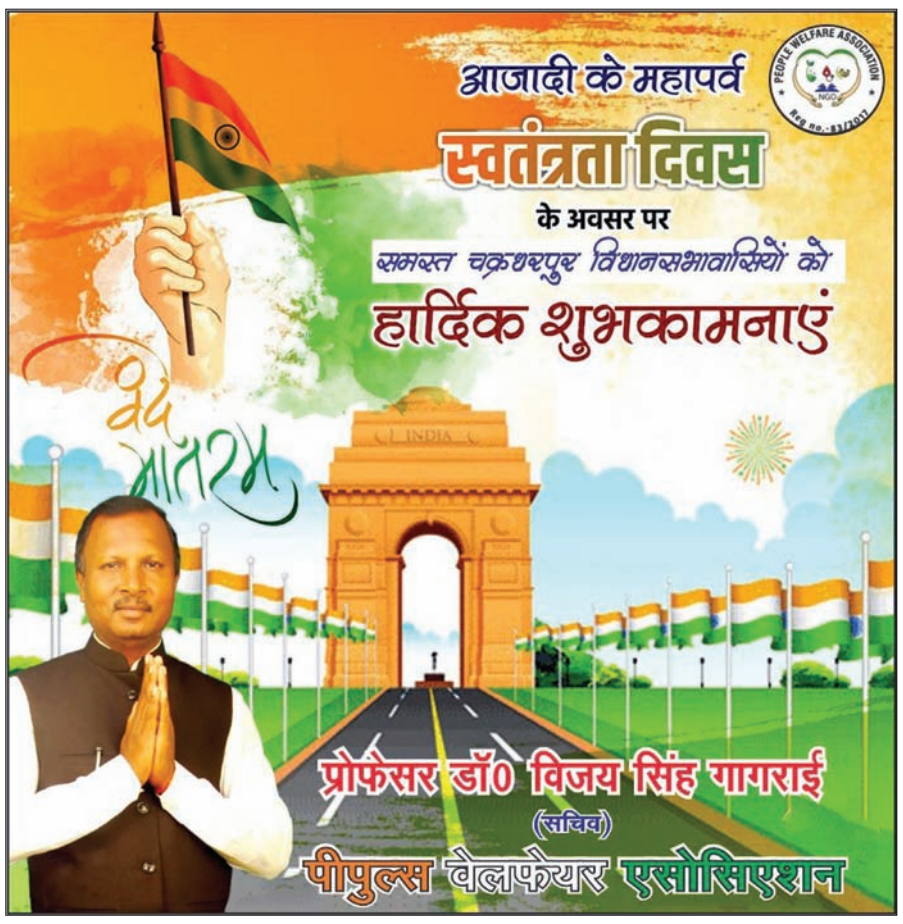

प्रोफेसर डॉ0 विजय सिंह गागराई
(सचिव)
पीपुल्स वेलफेयर एसोसिएशन

स्वतंत्रता दिवस के अवसर पर
समस्त झारखंड वासियों को
हार्दिक शुभकामनाएं

श्री शिबू सोरेन
केन्द्रीय अध्यक्ष, झा.मु.मो.

श्री हेमंत सोरेन
मुख्यमंत्री, झारखंड सरकार

श्रीमती कल्पना सोरेन
विधायक, गांडेय (झा.मु.मो.)

सुखराम उरांव
विधायक सह जिला अध्यक्ष
झा.मु.मो. पश्चिमी सिंहभूम

'जोहार'
स्वतंत्रता दिवस के शुभ अवसर पर समस्त झारखंड वासियों को हार्दिक बधाई और शुभकामनाएं

श्रीमती नवमी उराँव
सचिव,
लट्टू उराँव कल्याण समिति

श्री सन्नी उराँव
अध्यक्ष,
दिशोम गुरू आशीर्वाद योजना

स्वतंत्रता दिवस के अवसर पर
समस्त झारखंड वासियों को
हार्दिक शुभकामनाएं

एक शुभचिंतक

हिंडनबर्ग की भारत को आर्थिक रूप से कमजोर करने की चाल

भारत के भविष्य को लेकर जिस तरह के सकारात्मक-सफल रुझान विश्व के बड़े-बड़े आर्थिक विश्लेषकों ने लगाए हैं और सकल घरेलू उत्पाद (जीडीपी) की जो गति इस वक्त देश में चल रही है, उस सब को ध्वस्त करने का काम फिर एक बार विदेशी षड्यंत्र द्वारा भारत में शुरू होता दिख रहा है। अमेरिकी शोध एवं निवेश कंपनी हिंडनबर्ग रिसर्च का अपनी नई रिपोर्ट के माध्यम से यह दूसरा इस प्रकार का बड़ा प्रयास है। आश्चर्य होता है यह देखकर कि उसे हाथों-हाथ लेकर कांग्रेस समेत इंडी गठबंधन अपने ही देश की अर्थव्यवस्था को लेकर आम जन में अविश्वास पैदा कर रहा है, यह दृश्य अकल्पनीय है। इससे साफ है कि बढ़ते और विश्व की तीसरी बड़ी अर्थ व्यवस्था बनने जा रहे भारत को कमजोर करने की योजना बहुत गहरी है। ऐसे में कम से कम भारत के विपक्ष से तो यह उम्मीद नहीं की जानी चाहिए कि वह देश को आर्थकि मोर्चे पर कमजोर करने का काम करेगा। बैसे तो बांग्लादेश में हिंसा के मुद्दे पर विपक्ष ने संसद में जैसा भरोसा मोदी सरकार के साथ खड़े होकर दिखाया था, वैसा ही रवैया किसी विदेशी और संदिग्ध शोध एजेंसी की रिपोर्ट पर भी दिखाना चाहिए था। हालांकि बांग्लादेश में हिन्दुओं पर हो रहे अत्याचार पर विपक्षी पार्टीयां एवं उसके ज्यादातर नेता चुप हैं, जिसकी कि सर्वत्र आलोचना भी हो रही है, क्योंकि यही विपक्ष फिलीस्तीन और गाजा, हमास पर मोदी सरकार पर दबाव बना रहा था कि वह इजरायल को इनके खिलाफ कार्रवाई करने से रोके। यहां वैसा ही विश्वास आज आर्थकि मोर्चे पर राहुल गांधी समेत सभी विपक्षी नेताओं को दिखाना चाहिए था, लेकिन इसके उलट जाकर इस वक्त जो रवैया विपक्ष का दिख रहा है, उसे लेकर कहना यही होगा कि वह देश को कमजोर करने वाला ही साबित हो रहा है। यहां विपक्ष की सोच यह है कि इससे मोदी सरकार कटघरे में खड़ी हो जाएगी, देश की जनता के सामने कमजोर नजर आएगी। हो सकता है उसका ये सोचना राजनीतिक स्तर पर उसके अपने फायदे के लिए सही कहलाए, किंतु हर बार राजनीतिक सोच सही हो, यह जरूरी नहीं है। इस नकारात्मक व्यवहार से दुनिया भर के निवेशकों में भारत के प्रति अविश्वास पैदा हो रहा है, उसका खामियाजा देश के आम जन भुगतते हैं। आखिर उसकी भरपाई कौन करेगा आज कांग्रेस, सपा, आप समेत अन्य कई विपक्षी दल जो अर्थ के क्षेत्र में अस्थरिता की छवि भारत की बना देना चाह रहे हैं, उससे इन्हें लाभ तो क्या होगा, हां, इतना जरूर होता दिखता है कि देश में नौकरियों में कमी आ रही है। निर्यात पर इसका बुरा असर पड़ना शुरू हो गया है । कुछ दिन बाद फिर यही विपक्ष राग अलापना शुरू कर देगा कि देश में मोदी सरकार के राज में नौकरियां नहीं है। कुल मिलाकर आर्थकि मोर्चे पर भारत विपक्ष के इस आचरण से कमजोर पड़ता ही दिखा है । अमेरिकी शॉर्ट सेलर हिंडनबर्ग ने मार्केट रेगुलेटर सेबी की प्रमुख माधबी पुरी बुच पर अदाणी ग्रुप से मिलीभगत का आरोप लगाया है। भले ही फिर सेबी और अदाणी ग्रुप ने हिंनडबर्ग के सभी आरोपों से इनकार किया और यह सिद्ध करने के लिए कि हिंडनबर्ग ने जो बोला वह सही है, इसका कोई प्रमाण नहीं है। लेकिन इसके बाद भी झटका स्टॉक मार्केट में दिखा। अधिकतर वैश्विक बाजारों से मिले मजबूत संकेतों के बावजूद भी घरेलू इक्विटी बेंचमार्क इंडेक्स सेंसेक्स और निफ्टी गिरावट के साथ खुले । अदाणी ग्रुप के सभी शेयरों में बिकवाली का दो कंपनियों को छोड़कर अन्य पर भारी दबाव देखने को मिल रहा है । कंज्यूमर ड्यूरेबल्स को छोड़ निफ्टी के सभी सेक्टर्स के इंडेक्स रेड पर देखे गए और एक ही दिन में हिंडनबर्ग के झटके से अधिकतर वैश्विक बाजारों से मिले मजबूत संकेतों के बावजूद घरेलू इक्विटी बेंचमार्क इंडेक्स सेंसेक्स और निफ्टी में ओवरऑल बीएसई पर लिस्टेड कंपनियों का मार्केट कैप 2.26 लाख करोड़ रुपये घट गया। यानी निवेशकों की दौलत मार्केट खुलते ही 2.26 लाख करोड़ रुपये डूब गई थी। सोचने वाली बात है कि यदि राहुल गांधी, जोकि आज के समय में एक संवैधानिक पद पर हैं, नेता प्रतिपक्ष हैं, वे और अन्य विपक्षी नेता इतना अधिक नकारात्मक माहौल नहीं बनाते तो क्या इसका यही असर होता जो देखने को मिला स्वभाविक है, ऐसा नहीं होता, न ही 2.26 लाख करोड़ रुपये निवेशकों के डूबे होते! अब यह अलग बात है कि 12 अगस्त की शाम होते-होते मार्केट में भारत के शेयर बाजार के प्रति भरोसा वापिस आ गया और उसने हिंडनबर्ग रिपोर्ट को सिरे से खारिज कर दिया, जिसके चलते निफ्टी-सेंसेक्स बढ़त के साथ हरे निशान में कारोबार करते दिखे। बाजार ने सेबी की सलाह मानी। वस्तुतः भारतीय प्रतिभूति एवं विनिमय बोर्ड (सेबी) ने अपनी पहली टिप्पणी में ही साफ कर दिया था कि उसने अडाणी समूह के खिलाफ सभी आरोपों की विधिवत जांच की है। हिंडनबर्ग जिस फंड का जिक्र करते हुए माधबी पुरी बुच उनके पति धवल बुच को घेरने का प्रयास कर रहा है, उसका कोई आधार नहीं, क्योंकि उनके इस पद पर आने के बाद इस प्रकार का कुछ भी नहीं किया गया, जैसा कि हिंडनबर्ग ने दिखाया है । धवल बुच ने भी इस संबंध में अपनी ओर से सही जानकारी दी ही है। उनके कथन को लेकर सेबी का भी अधिकारिक बयान मौजूद है, जिसमें साफ बता दिया गया है कि उनकी चेयरपर्सन माधवी पुरी बुच ने समय-समय पर संबंधित जानकारी सेबी को दी और संभावित हितों के टकराव से जुड़े मामलों से खुद को अलग रखा है।

काठ की हांडी बार-बार नहीं चढ़ती

ANALYSIS

✍ डॉ.रामकिशोर उपाध्याय

भारतीय निवेशकों का कई करोड़ रुपया एक झटके में डूब गया । तब विपक्ष ने हिंडनबर्ग की रिपोर्ट के आधार पर अडाणी और सरकार को घेरने में कोई कसर नहीं छोड़ी। उस समय हिंडनबर्ग रिपोर्ट को विपक्ष का पूरा समर्थन मिला और भारत के जनमानस में इस अमेरिकी कंपनी के बारे में यह छवि बनाई गई कि यह निस्वार्थ भाव से निवेशकों के हित में रिपोर्ट जारी करने वाली शोध संस्था है । इसके बाद सरकार, सेबी और सुप्रीम कोर्ट तीनों ने रिपोर्ट को गंभीरता से लेते हुए जांच का आश्वासन दिया । सुप्रीम कोर्ट ने विशेष कमेटी बनाकर जांच करवाई तो सेबी ने अपने स्तर पर कार्रवाई आरंभ कर दी । जांच जैसे-जैसे आगे बढ़ी हिंडनबर्ग का एक नया रूप सबके सामने आने लगा । जिस रिपोर्ट के कारण निवेशकों का करोड़ों रुपया डूबा था उन आरोपों में कोई सच्चाई नहीं निकली।

हिंडनबर्ग कुछ समय से भारत के पीछे पड़ी हुई है। वह भारत में आर्थिक अस्थिरता उत्पन्न कर लाभ कमाने की जुगाड़ में है। पिछले वर्ष जनवरी में अमेरिका की इसी शॉर्ट सेलिंग कंपनी ने अडाणी समूह के शेयरों में हेराफेरी की आशंका वाली रिपोर्ट जारी कर भारतीय बाजार में तूफान खड़ा कर दिया। इस एक रिपोर्ट ने अडाणी समूह को संसार के अमीरों की सूची में चौथे पायदान से खिसकाकर सातवें नंबर पर पहुंचा दिया था। भारतीय निवेशकों का कई करोड़ रुपया एक झटके में डूब गया । तब विपक्ष ने हिंडनबर्ग की रिपोर्ट के आधार पर अडाणी और सरकार को घेरने में कोई कसर नहीं छोड़ी। उस समय हिंडनबर्ग रिपोर्ट को विपक्ष का पूरा समर्थन मिला और भारत के जनमानस में इस अमेरिकी कंपनी के बारे में यह छवि बनाई गई कि यह निस्वार्थ भाव से निवेशकों के हित में रिपोर्ट जारी करने वाली शोध संस्था है । इसके बाद सरकार, सेबी और सुप्रीम कोर्ट तीनों ने रिपोर्ट को गंभीरता से लेते हुए जांच का आश्वासन दिया । सुप्रीम कोर्ट ने विशेष कमेटी बनाकर जांच करवाई तो सेबी ने अपने स्तर पर कार्रवाई आरंभ कर दी । जांच जैसे-जैसे आगे बढ़ी हिंडनबर्ग का एक नया रूप सबके सामने आने लगा । जिस रिपोर्ट के कारण निवेशकों का करोड़ों रुपया डूबा था उन आरोपों में कोई सच्चाई नहीं निकली। अपितु जांच में यह पाया गया कि इस झूठी रिपोर्ट से हिंडनबर्ग ने करोड़ों रुपये का लाभ कमाया और अडाणी व उनके निवेशकों को भारी क्षति हुई। जांच से देशवासियों को यह भी समझ आ गया कि भारत की अर्थव्यवस्था बहुत ही मजबूत है तथा सेबी और सरकार अपना काम भी ठीक से कर रही हैं। इस बार अगस्त में भारतीय शेयर बाजार नई ऊंचाइयों को छू रहा था तभी विश्व बाजार में कुछ घटनाएं एक साथ घटित हुईं। जापान में ब्याज दरों में अचानक वृद्धि हुई। अमेरिका में कथित मंदी की आशंका और जिओ पोलिटिकल टेंशन। इससे विश्व के बाजारों में तेज बिकवाली देखने को मिली। जापान के शेयर बाजार में एक दिन में बारह प्रतिशत से अधिक गिरावट दर्ज हुई। इस घटनाक्रम से भारतीय बाजार प्रभावित तो अवश्य हुआ किन्तु बुरी तरह नहीं टूटा। भारी दबाव के बीच भारतीय बाजार ने अपनी आत्मनिर्भरता का परिचय दिया। किन्तु इसी समय हिंडनबर्ग ने पिछले शनिवार को एक्स पर संदेश डाल कर सनसनी फैला दी। संदेश था- ह्लसमथिंग बिग सून इंडिया ह्व। यह संदेश पूरे संसार में आग की भांति फैल गया। निवेशकों की रात की नींद उड़ गई, क्योंकि भारत में बड़ी संख्या में नए निवेशक भी जुड़ रहे हैं। एक बुरी खबर पूरे बाजार पर कितनी भारी पड़ सकती है इस बात को निवेशक भली-भांति जानते हैं। निवेशकों को मानसिक रूप से डराने और विचलित करने के बाद हिंडनबर्ग ने अपनी कथित रिपोर्ट जारी की। विपक्ष ने तत्काल इस रिपोर्ट पर कार्रवाई की मांग शुरू कर दी। इस बार उसने अडाणी के साथ-साथ भारतीय प्रतिभूत और विनिमय बोर्ड (सेबी) प्रमुख माधवी पुरी बुच और उनके पति को टार्गेट किया। उसने आरोप लगाया कि माधवी और उनके पति धवल बुच अडाणी की कंपनियों में निवेशक रहे हैं इसलिए अडाणी के विरुद्ध सही जांच नहीं हुई। इस रिपोर्ट के आते ही देश विरोधी पूरा इको सिस्टम सक्रिय हो गया। सेवी प्रमुख का इस्तीफा मांगा जाने लगा। भारतीय शेयर बाजार गहरे संकट में डूबने वाला है। यहां घोटाले हो रहे हैं आदि-आदि ऐसा माहौल बनाने की कोशिश की गई। कहावत है कि काठ की हांडी बार-बार नहीं चढ़ती। इसलिए सजग पत्रकारों, भारत के आर्थिक विश्लेषकों और निवेशकों ने पूरे मामले को ध्यान से समझा और आत्मचिंतन किया। लोगों को समझ आ गया कि हिंडनबर्ग जिसे सनसनीखेज समाचार कह रहा है, उसमें कोई दम नहीं है। जिन लोगों को उम्मीद थी कि सोमवार को भारत का शेयर बाजार लाल हो जाएगा, उनके इन इरादों पर निवेशकों ने पानी फेर दिया। लोगों को यह समझ आ गया कि ये झूठे आरोप सेबी की पारदर्शिता एवं निवेशकों के विश्वास को क्षति पहुंचाने का कुत्सित षड्यंत्र हैं। इस रिपोर्ट को भारतीय बाजार के अधिकांश विश्लेषकों ने कूटरचित और फर्जी माना। शेयर बाजार के जानकार और विश्लेषक सुशील केडिया ने तो इसे धूर्तता से बनाया गया डॉक्यूमेंट तक कह दिया। इन सब बातों का परिणाम यह हुआ कि भारत का निवेशक भी इस कंपनी की जालसाजी को समझ गया। इसलिए सोमवार के दिन शेयर मार्केट में कोई बड़ा भूचाल नहीं आया। किन्तु विडम्बना की बात यह है कि जिस रिपोर्ट को बाजार के जानकार फर्जी,कूटरचित और साजिश बता रहे हैं कांग्रेस उसी कथित रिपोर्ट के आधार पर सेबी चेयरमैन का इस्तीफा मांग रही है। सेबी प्रमुख और हिंडनबर्ग के मध्य इन दिनों जो सवाल-जबाव चल रहे हैं उनसे यह स्पष्ट है कि हिंडनबर्ग का उद्देश्य भारतीय अर्थव्यवस्था को चोट पहुंचा कर लाभ कमाना है। कांग्रेस अपने देश के निवेशकों का मटियामेट करने में संकोच नहीं कर रही, यह चिंता का विषय है। शेयर मार्केट से जुड़े हुए लोग जानते हैं कि हिंडनबर्ग अमेरिका की एक शॉर्ट सेलिंग कंपनी है जो अपनी कथित रिपोर्ट से लक्षित शेयरों की कीमत गिराकर तथा गिरते हुए शेयरों पर दांव लगाकर बड़ा लाभ कमाने (शॉर्ट सेलिंग) के लिए बदनाम है। अपनी पिछली रिपोर्ट से उसने निवेशकों को कंगाल बना कर खूब पैसा कमाया किन्तु इस बार वह अपने षड्यंत्र में सफल नहीं हो सकी। प्रश्न यह भी है कि जिस कंपनी पर उसके अपने देश अमेरिका में जांच चल रही हो, जिस कंपनी की स्वयं की गतिविधियां संदिग्ध हों उसे भारत के विपक्ष के नेताओं का समर्थन क्यों मिल रहा है ? भारत की संवैधानिक संस्थाओं एवं सरकार पर नजर रखना व समीक्षा करना विपक्ष का परम कर्तव्य है किन्तु किसी विदेशी बदनाम व्यापारिक संस्था की रिपोर्ट के आधार पर अपने देश को आर्थिक रूप से अस्थिर करने के लिए अग्रसर हो जाना ठीक नहीं है। अब देखना यह है कि विपक्ष इस मुद्दे को कहां तक ले जाता है।

शिक्षा को औपनिवेशिक सोच से मुक्त करना जरूरी

औपनिवेशिक भारत में प्रमुख शिक्षा संस्थान भारतीयों को 'विदेशी' बनने या स्वीकार्य पश्चिमी मापदंडों के आधार पर अपनी सभ्यता का परीक्षण करने के लिए प्रशिक्षित करने का कार्य करते रहे। दूसरे शब्दों में भारतीयों को यूरोपीय लोगों की तरह सोचने और बनने के लिए ढाला गया। आवरण में छद्म रूप में स्वयं को प्रोत्साहित करने का यह प्रभावी उपाय अंग्रेजों की कामयाब तजबीज थी । फिर भारतीय लोग दूसरों द्वारा पेश किए गए अमूर्त और सैद्धांतिक औजारों के साथ खुद को समायोजित करते रहे और आज भी कर रहे हैं । ऐसे में वे मनुष्य के रूप में स्वायत्त या स्वाधीन जीवन कभी नहीं जी सकते। पश्चिमी दर्शन में ढले ऐसे भारतीय यह तर्क भी देते हैं कि वह एक सार्वभौमिक वैचारिक ढांचा है और इसके फलस्वरूप अधिकांशतः यूरो अमेरिकी ज्ञान मॉडल को अपनाकर उपनिवेशीकरण की प्रवृत्ति को बढ़ाने का ही काम जारी कर रहे हैं। यूरोप समर्थित शैक्षणिक परंपरा पूरी दुनिया में दूसरों को भरसक हाशिये पर धकेलती रही है । स्वतंत्रता मिलने के साथ उपनिवेशवाद से मुक्ति के प्रयास शुरू हो गए परंतु यह बात कि औपनिवेशिक साम्राज्यवादियों से विरासत में मिली ज्ञान-प्रणालियों की जांच भी करनी चाहिए थी और उन्हें दी गयी महात्मा गांधी की चुनौती भी बिसरती गई और यह कार्य उपेक्षित ही रह गया । समसामयिक स्थिति यह है कि अनेक भारतीय संस्थानों के पाठ्यक्रम भारतीय परिप्रेक्ष्य की वास्तविकताओं या इसकी समस्याओं को भी पूरी तरह से प्रतिबिंबित नहीं करते हैं। यह काफी दुर्भाग्यपूर्ण है कि भारतीय उच्च शिक्षा संस्थानों में रह कर भारतीय शोधकर्ता भारतीय दर्शन और मूल्यों की सामग्रियों और गुणों से खुद को दूर कर लेते हैं। ऐसा तब है जब ज्ञान-सृजन की आधुनिक (औपनिवेशिक!) पद्धति से बहुत पहले भारत ज्ञान-मीमांसा की दृष्टि से गंभीर चिंतन का गढ़ था। आजादी के सात दशकों के बावजूद हम उधर ध्यान न दे सके। वि-उपनिवेशीकरण का आधार भारतीय होना चाहिए इस तथ्य को पहचान कर भारत में समकालीन उच्च संस्थानों और उनके उत्पादों, अनुसंधान प्रयासों और स्नातकों के लिए पाठ्यक्रम तैयार करना चाहिए। इस प्रसंग में उच्च शिक्षा के पाठ्यक्रम को नवाचारों के माध्यम से सजीव करने की जरूरत बहुत दिनों से महसूस की जाती रही है परंतु कोई ठोस कदम नहीं उठाया जा सका । यह प्रवृत्ति देशज विकास के प्रयासों में सदैव बाधक ही रहेगी । देश की शैक्षणिक प्रणाली पर औपनिवेशिक पकड़ को खत्म करना एक कठिन कार्य सिद्ध हुआ है। वर्तमान में कई भारतीय संस्थानों के पाठ्यक्रम भारतीय परिप्रेक्ष्य की वास्तविकताओं या इसकी समस्याओं के ज्ञान को पूरी तरह से प्रतिबिंबित नहीं करते हैं। उच्च संस्थान प्रणालियों में भारतीय ज्ञान के वि उपनिवेशीकरण के प्रयासों को तभी स्पष्ट रूप से समर्थन दिया जा सकता है जब छात्रों को सिखाया जाए कि मौलिकता की राह पर कैसे चलें? और भारतीय स्थितियों के लिए विशेष और विशिष्ट समाधान की दिशा में कैसे सोचा जाए ? भारतीय ज्ञान के वि-उपनिवेशीकरण से ही पूर्ण स्वराज की प्राप्ति संभव होती है। नवोन्मेषी विचारों की शुरूआत करने से पहले सोचने के लिए ज्ञानमीमांसीय रूप से स्वतंत्र होना होगा। ज्ञानमीमांसीय मुक्ति मानसिक, भावनात्मक और मनोवैज्ञानिक स्वतंत्रता को जन्म देती है। शिक्षा के उच्च संस्थानों ने भारतीय गतिशीलता पर अपनी पकड़ खो दी है। इसका एक खास कारण है ज्ञान को समायोजित करने के लिए भारतीय भाषाओं को विकसित करने में विफलता और ठोस और अमूर्त बौद्धिक प्रयासों के शिक्षण और उपयोग में इन भाषाओं को संस्थागत न बना पाना । इस बात के पर्याप्त सबूत हैं कि कई देश जो तकनीकी प्रगति में छलांग लगा रहे हैं, आविष्कारों में प्रगति कर रहे हैं और अकादमिक उत्कृष्टता की सीमाओं को तोड़ रहे हैं वे ही हैं जिन्होंने अपने शैक्षिक पाठ्यक्रम को अपने अनुसार अनुकूलित किया है। दुर्भाग्य से हमने अपनी सोच को उन सीमाओं के भीतर स्थापित कर लिया है जो पश्चिमी शिक्षा ने हमें दिया है या कि हम व्यावहारिक और अनुकरणीय विकल्प खोजने के लिए पर्याप्त उत्सुक नहीं हैं। चाहे जो भी हो, यूरो केंद्रित ज्ञान मॉडल में डूबने से हमारे विचारों का उपनिवेशीकरण लगातार बढ़ रहा है, और यह हमेशा विकास के प्रयासों में बाधा भी उत्पन्न कर रहा है । भारतीय संस्कृति के संरक्षण और समकालीन अनुसंधान और वैचारिक वास्तविकताओं में उनके समावेश के अलावा, भारतीय विश्वविद्यालयों को भारतीय प्रतिभाओं और ज्ञान मीमांसा को ईमानदारी से चित्रित करने के लिए मौजूदा पाठ्यक्रमों और कार्यक्रमों का विस्तार करने में सक्षम और तैयार होना चाहिए। पाठ्यक्रम भारतीय विश्व दृष्टिकोण के पीछे छिपे तर्क और तर्कों पर प्रश्न पूछने और उनका विस्तार करने में सक्षम होने चाहिए। ये पाठ्यक्रम छात्रों और लोगों की रुचि को इस तरह से आकर्षित करने वाले होने चाहिए जो केवल औपचारिकताएं न निभा रहे हों बल्कि स्वयं और राष्ट्रीय पहचान की चेतना का आह्वान कर सकें ।

Social Media Corner

सच के हक में...

कोलकाता में जूनियर डॉक्टर के साथ हुई रेप और मर्डर की वीभत्स घटना से पूरा देश स्तब्ध है। उसके साथ हुए क्रूर और अमानवीय कृत्य की परत दर परत जिस तरह खुल कर सामने आ रही है, उससे डॉक्टर्स कम्युनिटी और महिलाओं के बीच असुरक्षा का माहौल है। पीड़िता को न्याय दिलाने की जगह आरोपियों को बचाने की कोशिश अस्पताल और स्थानीय प्रशासन पर गंभीर प्रश्न खड़े करता है। इस घटना ने सोचने पर मजबूर कर दिया है कि अगर मेडिकल कॉलेज जैसी जगह पर डॉक्टर्स सेफ नहीं हैं तो किस भरोसे अभिभावक अपनी बेटियों को पढ़ने बाहर भेजें? निर्भया केस के बाद बने कठोर कानून भी ऐसे अपराधों को रोक पाने में असफल क्यों हैं?

(राहुल गांधी का 'एक्स' पर पोस्ट)

झारखंड में रोजगार पाना हेमंत सरकार में महज एक ख्वाब बनकर रह गया है। अपने झूठे वादों और बेईमान इरादों पर टिकी यह सरकार प्रदेश के सभी वर्गों को सिर्फ ठग रही है। रोजगार देने के नाम पर पलायन का रास्ता दिखा रही है। बुनियादी समस्याओं को भी पूरा करने में असफल इस सरकार में प्रदेश की जनता भूख प्यास और बेरोजगारी के कारण सड़कों पर तड़प रही है, इसके बाद भी न तो इनके कानों में जूं रेंग रही है, न तो इनकी आंखों में कोई सहानुभूति बची है। लूट का पर्याय बन चुकी जेएमएम और कांग्रेस की गठबंधन सरकार में जनता बेरोजगारी के दंश के कारण खौफ में है, और अपराधी तथा इनके नेतागण मौज में हैं।

(पूर्व सीएम बाबूलाल मरांडी का 'एक्स' पर पोस्ट)

अखंड भारत ही बनेगा विश्व गुरु

वर्तमान में जब कहीं से भी देश को तोड़ने की बात आती है तो स्वाभाविक रूप से उसका प्रतिकार भी जबरदस्त तरीके से होता है। यह प्रतिकार निश्चित रूप से उस राष्ट्रभक्ति का परिचायक है, जो इस भारत देश को देवभूमि भारत के रूप में प्रतिस्थापित करने का प्रमाण प्रस्तुत करने का अतुलनीय सामर्थ्य रखती है। यह आज के समय की बात है, लेकिन हम उस कालखंड का अध्ययन करें, जब भारत के विभाजन हुए। उस समय के भारतीयों के मन में विभाजन का असहनीय दर्द हुआ। जो असहनीय पीड़ा के रूप में उनके जीवन में प्रदर्शित होता रहा और देश को जगाते-जगाते वे परलोक गमन कर गए। अभी तक भारत देश के सात विभाजन हो चुके हैं। जरा कल्पना कीजिए कि अगर आज भारत अखंड होता तो वह दुनिया की महाशक्ति होता। उसके पास मानव के रूप में जनशक्ति का प्रवाह होता। लेकिन विदेशी शक्तियों ने भारत के कुछ महत्वाकांक्षी शासकों को प्रलोभन देकर भारत पर एकाधिकार किया और योजना पूर्वक भारत को कमजोर करने का प्रयास किया। आज जिस भारत की तस्वीर हम देखते हैं, वह अंग्रेजों और उन जैसी मानसिकता रखने वाले लालची भारतीयों द्वारा किए गए कुकृत्यों का परिणाम ही है, लेकिन आज भी भारत में एक वर्ग ऐसा भी है, जिनकी आंखों में अखंड भारत का सपना है। उनके मन में अखंड भारत बनाने का संकल्प है। इसी संकल्प के आधार पर वे सभी इस दिशा में सार्थक प्रयास भी कर रहे हैं। अखंड भारत स्मृति दिवस पर महर्षि अरविंद का स्मरण जरूरी है। भारतीय मनीषी और राष्ट्र के साथ एकात्म भाव रखने वाले महर्षि अरविंद ने विभाजन के असहनीय दर्द को आमजन की दृष्टि से देखने का आध्यात्मिक प्रयास किया। तब उनकी आंखों के सामने अखंड भारत का स्वरूप दिखाई दिया। योगीराज महर्षि अरविंद ने 67 वर्ष पूर्व 1957 में कहा था कि देर कितनी भी हो जाए, पाकिस्तान का विघटन और उसका भारत में विलय होना निश्चित है। राष्ट्र के प्रति इसी प्रकार का एकात्म भाव राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के द्वितीय सरसंघचालक माधव सदाशिव गोलवलकर उपाख्य श्रीगुरुजी के जीवन में भी दृष्टव्य होता रहा। वे अपने शरीर को भारत देश की प्रतिकृति ही मानते थे। जब भी देश पर कोई संकट आता था, तब उनके शरीर में वैसा ही कष्ट होता था। इसलिए कहा जा सकता है कि उनको राष्ट्र की समस्याओं का पूर्व आभास भी होता था। जहां तक अखंड भारत की बात है तो यह मात्र कहने भर के लिए ही नहीं, बल्कि एक शाश्वत विचार है, जो आज भी भारत की हवाओं में गुंजायमान होता रहता है। विचार करने वाली बात यह भी है कि जब भारत देश के टुकड़े नहीं हुए थे, तब हमारा देश पूरे विश्व में ज्ञान का आलोक प्रवाहित कर रहा था। विश्व का सर्वश्रेष्ठ ज्ञान भारत के संत मनीषियों के पास विद्यमान था। इसलिए भारत के सिद्ध संत केवल भारत के संत न होकर जगद्गुरु के नाम से विख्यात हुए। उनकी दृष्टि में पूरा विश्व एक परिवार की तरह ही था। लेकिन ऐसा क्या हुआ कि भारत कई बार विभाजित होता रहा और आज जो भारत दिखाई देता है, वह भारत का एक टुकड़ा भर है। भारत के विभाजन का अध्ययन किया जाए तो हमें यह भी ध्यान में रखना होगा कि यह विभाजन भारत की भूमि के टुकड़े करके ही हुए हैं। जिस भारत को हम माता के स्वरूप में पूजते आए हैं, उसे कम से कम वे लोग तो स्वीकार नहीं कर सकते, जो भारत की भक्ति में लीन हैं। इतिहास का अध्ययन करने से पता चलता है कि महाभारतकालीन गांधार देश यानी आज का अफगानिस्तान वर्ष 1747 में भारत से अलग हो गया। इसी प्रकार 1768 से पूर्व नेपाल भी भारत का अंग ही था। 1907 में भारत से अलग होकर भूटान देश बना। 1947 में पाकिस्तान का निर्माण हुआ। 1948 में श्रीलंका

बांग्लादेश के गृह सलाहकार के बयान का मंतव्य!

बांग्लादेश के ताजा हालात और वहां भारत के प्रति रुख को समझने के लिए दो ताजा बिंदुओं पर ध्यान देना चाहिए। पहला बिंदु यह है कि वहां बांग्लादेश मुक्ति संग्राम के चिह्न मिटाने की कोशिश हुई है। खासकर 1971 के युद्ध के बाद भारतीय जनरल के सामने पाकिस्तानी सेना के सरेंडर दिखाने वाली मूर्तियां तोड़ दी गई हैं। दूसरा बिंदु बांग्लादेश की अंतरिम सरकार में होम अफेयर्स एडवाइजर एम सखावत हुसैन का बयान है। भारत के एक अखबार से बात करते हुए हुसैन ने भारत को सलाह दी है कि वह बांग्लादेश की मदद करे, अन्यथा उसके मामले से दूर ही रहे। इन दो बिंदुओं में पहले को प्रथम दृष्ट्या कुछ प्रदर्शनकारियों का रुख कहा जा सकता है। इसमें एक देश की आजादी के चिह्न मिटा देने के भाव के साथ भारत के प्रति रुख बदलने की साजिश भी शामिल है। उधर, हुसैन का बयान भारत के प्रति देश की नई सरकारी नीति को दशार्ता है। वे होम अफेयर्स एडवाइजर हैं, जो अंतरिम सरकार में गृहमंत्री की हैसियत रखता है। उनका बयान बांग्लादेश का उस भारत के प्रति रुख है, जिसने बांग्लादेश की आजादी की लड़ाई को अंजाम तक पहुंचाने में मदद की थी। भारत के प्रति बांग्लादेश का यह रुख उस समय भी नहीं था, जब नया देश बनने के चार साल के अंदर ही वहां के राष्ट्रपिता बंगबंधु शेख मुजीबुर्रहमान की हत्या कर तख्ता पलट किया गया था। यानी जो बांग्लादेश की उदय का हीरो था, उसकी हत्या तो की कई किंतु बांग्लादेश मुक्ति में सहायक भारत के प्रति बेरुखी इतनी अधिक नहीं हो सकी थी। ऐसे में विचारणीय है कि बांग्लादेश में जो कुछ हो रहा है, उसमें भारत के प्रति नफरत एक साजिश के तहत पैदा की जा रही है। भारत के प्रति नाराजगी आम लोगों में नहीं है। इसे उस तथ्य से समझा जा सकता है कि पूर्व प्रधानमंत्री शेख हसीना, जो इस्तीफे के बाद भारत आ गई हैं, उनकी वापसी के लिए भी बांग्लादेश में लोग सड़कों पर उतर रहे हैं।

Printed and Published by Fahim Akhtar on behalf of MAA MEDIA VENTURE and Printed at SHIVA SAI PUBLICATION PVT.LTD, Ratu, Kathitand, Near Tender Bagicha, H.P. Petrol Pump P.O.+P.S.- Ratu, Dist.-Ranchi, 835222, Jharkhand And Published at Roshpa Tower, 5th Floor, Main Road, Ranchi, Jharkhand-834001. R.N.I Number - JHABIL/2022/85899, Editor- Fahim Akhtar. Mob - 9431311669, E-mail : thephotonnewsjharkhand@gmail.com

Tech-driven initiatives are redefining judiciary

Brother Justice Suryakant, my brother Justice Rajesh Bindal, Chief Justice Sheel Nagu, the distinguished judges of the Punjab and Haryana High Court who are here on the dais with us, Brother Gurmeet Singh Sandhawalia, Brother Justice Arun Palli, Justice Lisa Gill, all the Chief Justices who have come here from near and far, judges, members of the computer committees, former judges of the High Court who have really honored us by their presence this morning and of course all the members of the registry and the other staff associated with the ICT committees. I just thought when I heard that little introduction by the compare for me that such an unabashedly uncritical appreciation of the lead speaker of the day is made only by two people in life, a daughter or a sister.I'm sure my wife may not necessarily accept of all that is so warmly said, but in a lighter vein when I was visiting my sister in the United States a few years ago, her young daughters told me that there are only two people in the life of your sister, that is their mother, who can never make a mistake. One is the pet dog and the other is the brother. But thank you very much for that very warm introduction.Well, I'm delighted to deliver the inaugural address at the national conference which aims to explore the transformative impact of technology on India's courts and map our future trajectory. The very convening of this conference this morning underscores the significant progress we have made in harnessing technology to enhance justice delivery. Even before I assumed office of the Chief Justice of India, I have had the privilege of serving as a chairperson of the e-committee of the Supreme Court.I have closely watched the remarkable evolution in our discourse on the subject over the last four years. We have progressed from discussions about recognizing the need for technology to delving into its intricacies and best practices. Today, technology is acknowledged as an indispensable catalyst for accessible justice.

This paradigm shift is indeed heartening. There is no better evidence of the depth and nuance of our discourse about technology than the very agenda of this conference which has been so carefully curated up by our colleagues from the High Court of Punjab and Haryana. The carefully curated discussions over the next two days on a range of themes, from technical strategies to critical issues like artificial intelligence and data security, reflect the maturity of our discussions on the role of technology in justice delivery in our country.We are no longer now discussing whether we should adopt technology, but rather how best we can harness it. I still remember the time when I was a young judge of the Bombay High Court and Chief Justice V N Khare had convened a conference on technology. So we had about 20 judges and all the Chief Justices lined up in what is now the largest judges' lunchroom.

Everyone had a desktop in front of them. You were told to operate your own desktop and they were trying to tell us everything from how to open your desktop. Most of the Chief Justice and most of the judges in the lounge that conference I remember had their desktops completely blank.

Nobody knew how even to open a desktop. So that was where we began. This was probably around 2004 or so.t, how much we have now transformed as an institution and as individuals. People often see me approach the desk and say, or at the very least think to themselves, oh Chief, are you going to talk about technology once again? Many a time these people are indeed right. But something that many of them may not realize is that technology, being a tool to access to justice, is not just a modern convenience or a trendy topic.We are no longer now discussing whether we should adopt technology, but rather how best we can harness it. I still remember the time when I was a young judge of the Bombay High Court and Chief Justice V N Khare had convened a conference on technology. So we had about 20 judges and all the Chief Justices lined up in what is now the largest judges' lunchroom.Everyone had a desktop in front of them.

Too early for India to intervene in Bangladesh

New Delhi is currently in no position to influence the events in the neighbouring country

THE best option for India in dealing with Bangladesh after the exit of Sheikh Hasina into exile is not to do anything now. With a torrent of advice, suggestions, tips and hypothetical expertise flowing from the humble teashops of Siliguri in West Bengal to think tanks in New Delhi brimming with erudition, it is not easy for policymakers in the national capital to sit tight while an important neighbouring country is in turmoil.

The government was particularly vulnerable to criticism by the political class because Parliament was in session when Hasina left her country and arrived in India. Ministers and senior officials had to be seen as being responsive to the situation across the eastern border or face flak. Besides, the evolving national mood in India in the last decade has been one of assertion, be it in foreign policy or sports, to mention two spheres of activity that are currently dominating the 24-hour news cycle.

Beyond urging restraint and perhaps making an issue of Hinduphobia at the UN, can India do anything to stop the attacks on minorities in Bangladesh?To borrow from the memorable phraseology of then US Defence Secretary Donald Rumsfeld in the run-up to the invasion of Iraq two decades ago, there is little point in discussing the 'known knowns' about Bangladesh. That has been the essence of public discourse in this country since student protests erupted in Bangladesh. What is important are the 'unknown unknowns' about Bangladesh. Rumsfeld had said in 2002 that these are "the ones we don't know that we don't know. And if one looks throughout the history of our country and other free countries, it is the latter category that tends to be the difficult ones."That being the case, India must pause until the unknown unknowns about Bangladesh — the domestic evolution there, its external dimensions, the fallout on India, etc — translate into the first category, that is, the known knowns. As a rule, governments and their image-makers are loath to accept inaction as policy. Former Prime Minister PV Narasimha Rao was an exception to this. He once famously remarked that "even not taking a decision is a decision." Rao practised this dictum in many spheres when he was the head of government in a fluid political environment, often with remarkable success. India's best recourse now is to follow this truism in dealing with the uncertain situation that has unfolded in Bangladesh. In any case, the stark reality is that India is currently in no position to influence the events there. Beyond urging restraint and perhaps making an issue of Hinduphobia at the United Nations, can India do anything to stop the attacks on minorities and prevent further destruction of Hindu temples in Bangladesh? Surely, the Indian Army is not going to march across the border to provide security to temples and preserve them! At television studios across this country, panellists who seek their 15 minutes of fame are not going to accept that India is helpless in this matter. Even if it were feasible, the Indian government is not foolhardy enough to resort to any such course. If there is a fundamental threat to India's national security, the Cabinet Committee on Security will surely act, as it has done many times before. But we are not there yet. Incendiary rhetoric, a sadly familiar feature of Indian society now, must stop.

If India is to have a realistic Bangladesh policy once things settle down in Dhaka, it must not fall for fanciful depictions of how good things were in the neighbouring country during Hasina's rule. It is a safe assumption based on extended conversations and the fallout of public opinion from Kolkata to Kochi and from Gurugram to Gandhinagar that most Indians have come to believe that the best is behind for Bangladesh. And that it is now staring into an abyss of regressive forces and Islamic nationalists whose agenda is to destroy the friendship that Hasina struggled to create with successive Indian leaders. There is, of course, no polling or any scientific evidence to support this assertion.No one will dispute that Bangladesh's performance in many sectors was worthy of emulation by other similarly placed nations. After all, how many other countries in our time have pulled themselves up by their bootstraps and graduated out of the Least Developed Country rankings by global parameters? Dhaka would have done just that in two more years, but that outcome is now in doubt — unless its new, interim leader, Muhammad Yunus, can perform a miracle of creating national cohesion and sustaining human development alongside.

Even those who have only dabbled in foreign policy — though for decades — know that India has gone through this before. When the Shah of Iran had to flee his country in 1979, much like Hasina now, Indians were similarly sorry because he had tried to be friends with India in his later years as a monarch. He had downgraded relations with Pakistan in a zero-sum game. Most Indians failed to grasp the meaning of Iran's historic Islamic revolution. New Delhi had a tough time building bridges with Qom, and relations did not stabilise until Rao visited Tehran in 1993.A serious mistake that Indians are making in forming their opinions about Hasina's troubles and Yunus' challenge is to conclude that Bangladesh was a peaceful country during the now-exiled Prime Minister's rule. Bangladesh was created because the blood of East Bengalis was being shed before Partition and after it became East Pakistan. Its bloodletting has continued throughout. If Hasina had not fled, she would have likely met the same tragic fate as her father.

ounting mutinies, revolts and coups d'état — all with fatalities — Bangladesh has encountered 15 attempts to change its governments by force. Two of its Presidents have been assassinated. In addition, the army has intervened to change governments peacefully. No other country in South Asia has experienced such violent transfers of power. By comparison, Pakistan has had only five successful coups. 'Wait and watch' is one of the more popular clichés in diplomacy, although in reality it has no meaning. It is to External Affairs Minister S Jaishankar's credit that he did not use this worn-out cliché when he briefed Parliament on August 6 about developments in India's eastern neighbourhood. With formidable resources, both overt and covert, India will hopefully be in a position to act if the situation demands in a few months. Now is not the time to act.

A nuanced approach

SC ruling on hijab balances faith, education

THE Supreme Court's decision to partially stay the Mumbai college circular banning the hijab, while upholding restrictions on the niqab and burqa, strikes a commendable balance between respecting religious sentiments and addressing the pragmatic needs of modern education. It is a nuanced attempt to reconcile cultural traditions with the demands of contemporary academic environment. This decision underscores the importance of fostering an inclusive atmosphere while maintaining discipline and uniformity within institutions. By allowing the hijab but restricting face-covering attire like the niqab and burqa, the SC has set a precedent that other institutions with similar issues would do well to follow.

The court's approach recognises that education is not just about imparting knowledge but also about ensuring that students can participate fully in the academic experience. Face coverings can inhibit interaction, an essential component of the learning process. The order supports the idea that while religious freedom is fundamental, it should not come at the expense of the educational milieu. This decision offers a template for resolving similar disputes across the country. The Karnataka hijab case, for example, could benefit from this balanced perspective, avoiding the polarising outcomes seen in other states. Countries like Turkey, which have historically grappled with the role of religious symbols in secular institutions, might find the Indian approach instructive.

This ruling emphasises that educational institutions should focus on empowering students rather than on imposing restrictive dress codes. By navigating the fine line between tradition and modernity, the SC has taken a significant step towards ensuring that educational institutions remain inclusive, respectful and progressive spaces for all students.

SEBI-Hindenburg-Adani row shows mishandling of credibility crisis

It is imperative that SEBI remains credible and is seen to adhere to the rules & compliance standards it imposes on all stakeholders.

THE manner in which India's market regulator, the Securities & Exchange Board of India (SEBI), has gone about investigating the astounding rise in share prices of the Adani Group has been troubling for independent observers, even before Hindenburg Research released its explosive report in January 2023. This harks back to the tenure of another chairperson who is now associated with the industry group, but it was always assumed that SEBI's reluctance was primarily due to political compulsions.

Having ignored the inexplicable price run-up, SEBI, under the present chief, framed its post-Hindenburg investigation primarily on short-selling activities. Even a novice investor understands that short-selling opportunities emerge only when stock prices soar far beyond a company's fundamentals or future prospects. The explosive new 'whistleblower' documents released by Hindenburg Research on August 10 give a new twist to the issue and have led to a full-blown credibility crisis at the market regulator. They question chairperson Madhabi Puri Buch's (MPB) integrity and disclosure with a set of facts and documents.

As one of the top five capital markets in the world and a key resource mobiliser for the Indian economy, restoring confidence in the independence of our regulatory mechanism is of paramount importance today. What we are witnessing instead is a textbook example of how not to handle such a situation. In the 36 hours since Hindenburg released its sensational allegations, there has been silence from the government and the finance ministry, which oversees SEBI. Instead, we have seen a series of statements from those involved, which raise more questions than they answer.Late on Sunday night, SEBI decided that Hindenburg's allegations "warrant an appropriate response". When serious allegations are made against the chairperson and the regulator, an appropriate response cannot be anonymous. It is unclear who is taking responsibility for the press release or whether the issue was even discussed by the board or with the ministry. Exhibiting a complete lack of understanding of the situation, SEBI issued an unsigned press release listing its actions in the Adani matter and defending the chairperson without any semblance of inquiry. It claims that MPB had "recused herself in matters of potential conflicts of interest"; whether she did so in the Adani investigation is not answered.

Meanwhile, there seems to be a concerted attempt to question Hindenburg's credibility and silence or discredit anyone attempting a serious analysis. Unless the government comes up with a nuanced response, these actions will only harm India's credibility.

Despite the clarifications offered by various parties, many issues require further scrutiny. It is now an indisputable fact that MPB and her husband had investments in an offshore entity (Global Dynamic Opportunities Fund Ltd), which was part of the same nested entities used by Vinod Adani (Gautam Adani's brother) that were under SEBI's investigation. This warranted a clear disclosure.EBI has a precedent of the chairperson (CB Bhave) being ring-fenced from issues, even when they did not involve personal investments. Even if the investment was redeemed, MPB ought to have recused herself and created a board-monitored committee, perhaps comprising the three whole-time members, to handle the Adani investigation, in consultation with the government. Since this did not happen, it raises questions about MPB's two meetings with Gautam Adani while the investigations were ongoing. No disclosure or recusal

happened even when the matter reached the Supreme Court and an expert committee was appointed, specifically to examine if there were regulatory lapses in investigating the Adani Group.MPB's dealings with Trident Trust Company are perplexing. On the one hand, a letter from her husband Dhaval Buch states that their "accounts be registered solely in his name", yet the email registered to the account remains that of MPB, who continues to receive investment details. Why did she send a redemption request from her email in 2018 when the funds were solely held by Dhaval? In India, this would have fallen foul of compliance requirements and attracted penal action by SEBI. It now raises red flags about the real ownership of funds.MPB and her husband have confirmed their holdings in two separate consultancy companies. MPB says she transferred her entire holding in the Singapore entity, Agora Partners, to her husband, who became a 100 per cent shareholder in March 2022. This was two weeks after being appointed chairperson in her second stint at SEBI. She continues to hold a 99 per cent stake in the India-registered Agora Advisory Pvt Ltd. While the couple says the two entities "became immediately dormant on her appointment with SEBI" in 2017, Hindenburg has released documents showing that the Indian entity is active and generating revenue.The clarificatory statement by MPB and Dhaval itself seems contradictory. It says that Dhaval started his own consultancy practice through these companies after retiring from Unilever. This confirms that the company is not dormant, so it is unclear if 'prominent clients in the Indian industry' that it does business with are SEBI-regulated entities, since the SEBI chairperson remains a 99 per cent owner of the firm.Another disclosure by 360 One Wam Ltd (formerly IIFL Wealth Management) revealed investment details of MPB and her husband, raising a crucial question posed by MP Mahua Moitra: if foreign portfolio investment records down to the last natural person were made available so quickly by one entity, why did SEBI "hit a wall" in its investigation, as noted by the Supreme Court?An independent, time-bound investigation leading to credible action, one way or another, alone will restore SEBI's credibility. Rather than a politically motivated joint parliamentary committee, a suggestion by former Revenue Secretary EAS Sarma seems a better option. Since the apex court has not yet closed the Adani cases, Sarma suggests that the Chief Justice could nominate a senior member of the judiciary to head an inquiry commission under the Commissions of Inquiry Act, 1952.India's national interest is not served by defending one business group. With a market capitalisation of several lakh crores of rupees and the savings of countless ordinary people riding on the market, it is imperative that SEBI remains credible and is seen to adhere to the rules and compliance standards it imposes on all stakeholders.

DoT to discuss Starlink issue in ministerial meet

NEW DELHI: The Department of Telecommunications (DoT) is set to convene an inter-ministerial meeting this week to address security concerns related to granting a licence to Elon Musk's Starlink for satellite broadband services in India.While Jio Satellite Communications and Bharti-backed OneWeb have secured licences, Starlink's application remains pending on security-related issues. A senior DoT official confirmed that the meeting aims to discuss the potential security implications of Starlink's operations in the country. The company has not withdrawn its bid for the Indian market."We are meeting this week to discuss the security implications of Starlink services in the country. The company has not withdrawn its bid to start its services in the country," said the official. Starlink, along with Jio Satellite Communications and OneWeb, had applied for the global mobile personal communication by satellite services (GMPCS) licence, which offers satellite communication services in licensed service areas in the country.Jio Satellite Communications and OneWeb have received licence to provide satellite broadband services in the country. Jeff Bezos-led Amazon, too, applied for a licence for its Project Kuiper satellite broadband venture. Elon-Musk-led-Starlink's licence application is still pending.As per licensing guidelines for Global Mobile Personal Communication by Satellite Services (GMPCS), all traffic originating or terminating within India must pass through a GMPCS Gateway Switch located domestically. Additionally, the licence is contingent upon security clearance from an inter-ministerial committee.

Awaits security clearance

According to the licensing guidelines, all traffic originating or terminating in India must pass through a GMPCS Gateway Switch located domestically

India's Wholesale Inflation Dips To 2.04% In July

New Delhi Wholesale inflation in the country declined to 2.04 per cent in July, according to government data released on Wednesday.The wholesale price index (WPI) based inflation was at 3.36 per cent in June.The Department for promotion of industry and internal trade (DPIIT) in a post on X said "the annual rate of inflation based on WPI stood at 2.04 % in July 2024 as compared to 3.36 % in June, 2024."The annual rate of inflation for Primary Articles of WPI stood at 3.08 per cent in July 2024, as compared to 8.80 per cent in June 2024.The annual rate of inflation for Fuel & Power of WPI increased to 1.72 per cent in July 2024, from 1.03 per cent in June 2024.The annual rate of inflation of the Manufactured Products group of WPI increased to 1.58 per cent in July 2024, from 1.43 per cent in June 2024, the DPIIT posted on X.The decline in July WPI was in line with the retail inflation data for the month. Retail inflation fell to a 5-year low of 3.54 per cent in July, data released earlier this week showed.The Reserve Bank of

India (RBI), which mainly takes into account retail inflation while framing the monetary policy, kept the benchmark interest rate or repo rate unchanged for the ninth consecutive time in its August monetary policy review at 6.5 per cent.

SC Allows States to Seek Refund of Royalty on Minerals from Centre, Mining Firms from 2005 Onwards

NEW DELHI The Supreme Court on Wednesday rejected the Centre's plea for prospective effect of its July 25 verdict, which upheld the power of states to levy tax on mineral rights and mineral-bearing land, and allowed them to seek refund of royalty from April 1, 2005 onwards.

A nine-judge Constitution bench headed by Chief Justice DY Chandrachud said the argument for prospective effect of the July 25 ruling is rejected.The bench also comprising justices Hrishikesh Roy, Abhay S Oka, BV Nagarathna, JB Pardiwala, Manoj Misra, Ujjal Bhuyan, Satish Chandra Sharma and Augustine George Masih, however, said there will be conditionalities on payment of past dues.It said payment of dues by the Centre and mining companies can be made to mineral-rich states in a staggered manner over the next 12 years.The bench, however, directed the states to not impose a penalty of any kind on payment of dues.The Centre has opposed the demand of states for refund of royalty levied on mines and minerals since 1989, saying it will impact the citizens and the PSUs will have to empty their coffers by Rs 70,000 crore according to initial estimates.CJI Chandrachud said this verdict will be signed by eight-judges of the bench who by majority decided the July 25 judgement giving the state's power to levy taxes on mineral rights.He said that Justice Nagarathna will not sign Wednesday's verdict as she had given a dissenting view in the July 25 verdict.In a majority 8:1 verdict on July 25, the bench had held that legislative power to tax mineral rights vests with states.The verdict had overruled a 1989 judgement, which held that only the Centre has power to impose royalty on minerals and mineral-bearing land.Some opposition-ruled mineral rich states then sought refund of royalty levied by the Centre and taxes from the mining companies since the 1989 verdict.

Sensex, Nifty trade flat amid profit booking; Hero MotoCorp falls 4%

As of 10.13 am, the NSE Nifty 50 was nearly flat, rising just 7.30 points to 24,146.30, while the S&P BSE Sensex saw a modest increase of 66.37 points to 79,022.40

New Delhi. Benchmark stock market indices opened flat on Wednesday, as gains in information technology (IT) stocks were balanced out by profit booking across other sectors.As of 10.13 am, the NSE Nifty 50 was nearly flat, rising just 7.30 points to 24,146.30, while the S&P BSE Sensex saw a modest increase of 66.37 points to 79,022.40.The IT sector showed some strength, gaining 0.6%, following data that indicated US producer prices rose less than expected in July, hinting at cooling inflation.However, financial stocks struggled, with the Nifty Financials and private banking indices each falling 0.2%. ICICI Bank saw a drop of 1%, contributing to the sector's weakness.

Analysts pointed to ongoig concerns about the rising cost of deposits, which could lead to further profit-taking in Indian markets given the high valuations.Among other sectors, Hero MotoCorp fell over 4% after missing profit expectations for the June quarter, largely due to weaker average prices. Similarly, Piramal Enterprises dropped 6% following a decline in its net profit for the same period.Overall, eight of the 13 major sectors saw gains, but the broader market, particularly small and mid-cap stocks, experienced a decline of about 0.2% each.Investors are now looking ahead to the US consumer price data for July, which will be released after Indian market hours and could provide further direction for the markets.Dr. V K Vijayakumar, Chief Investment Strategist, Geojit Financial Services, said, "The PPI inflation numbers from the US indicate softening of inflation, and a confirmation of this declining trend is likely from the CPI numbers coming today."'The US market moved up yesterday in anticipation of this and a rate cut by the Fed in September. If the rate cut is by 50bp, the US market will remain resilient lending support to global markets. This is the likely scenario. On the other hand, if the Fed disappoints with no rate cut, the market will sell off and this will have repercussions globally," he said."In India the pattern of FII selling on valuation concerns and DII buying supported by money flows continues. Some segments like defence related stocks which have run far ahead of fundamentals are witnessing corrections," Vijayakumar noted.

Ex Starbucks CEO's viral post on why he doesn't work post 6 PM

New Delhi Starbucks recently announced a change in leadership, with Brian Niccol set to replace Laxman Narasimhan as chairman and CEO.Niccol, the current head of Chipotle Mexican Grill, will officially take on his new role on September 9. Until then, Starbucks' CFO, Rachel Ruggeri, will serve as the interim CEO.

This leadership change has stirred quite a buzz on social media. Among the many discussions, a month-old interview with Narasimhan has gained viral attention. In the interview, Narasimhan shared his approach to maintaining work-life balance, revealing that he does not work beyond 6 pm.In the video, Narasimhan explains his work boundaries, saying, "If anyone at Starbucks gets a minute of my time after 6 pm, they better be sure that it's important."His statement has sparked widespread discussion online, especially in light of his recent departure from Starbucks.Users also shared a video of the former CEO, giving an interview and said, This will always be remembered as the interview that got the Starbucks CEO fired.During the interview with Fortune Magazine, the 57-year-old Narasimhan elaborated on his philosophy of work-life balance. He emphasised the importance of personal time, noting that his workday ends by 6 pm unless an issue is of significant importance.

Who is Brian Niccol, replacing Laxman Narasimhan?

Brian Niccol has been at the helm of Chipotle Mexican Grill since March 2018, initially as CEO and director, and later as Chairman of the Board from March 2020. Before his tenure at Chipotle, Niccol was the CEO of Taco Bell, where he also held roles such as Chief Marketing and Innovation Officer, and President.

His career began in brand management at Procter & Gamble. Niccol has also held leadership positions at Pizza Hut and has served on several boards, including Walmart Inc. and previously KB Home and Harley-Davidson. He earned his undergraduate degree from Miami University and an MBA from the University of Chicago Booth School of Business.

Starbucks CEO replaced by Brian Niccol, a fixer who revived Chipotle when the chain was in distress

New Delhi In 2018, when Chipotle was reeling from multiple food poisoning outbreaks that had sickened 1,100 people, the company called Taco Bell CEO Brian Niccol to turn things around.As Chipotle's chairman and CEO, Niccol beefed up marketing and product innovation, added a loyalty program and improved store operations. He also instituted employee benefits, like a program that pays employees' college tuition costs at certain schools.Chipotle's revenue since then has nearly doubled.On Tuesday, Niccol answered another call, this time from Starbucks. The Seattle coffee giant named Niccol as its new chairman and CEO, hoping he can revive fading sales and re-establish Starbucks as a destination where customers are willing to pay premium prices."I am excited to join Starbucks and grateful for the opportunity to help steward this incredible company, alongside hundreds of thousands of devoted partners," Niccol said.Starbucks shares jumped 24.5% Tuesday on the news, recapturing all of their losses for the year.However, Niccol faces far larger and deeper challenges at Starbucks, which has 38,000 stores worldwide compared to Chipotle's largely U.S.-based chain of 3,500 restaurants. Niccol has to figure out how to get inflation-weary U.S. customers back into stores for its pricey drinks."

I will pay $9 for a burrito. I'm not sure I'm going to pay $9 for a cup of Venti shaken espresso," said Nancy Tengler, CEO of Laffer Tengler Investments, which owns shares in Starbucks and Chipotle.In the U.S., Starbucks has struggled to balance demand for mobile orders and faster service with its more traditional role as an upscale cafe where customers can gather and relax. Tengler said long wait times and a deluge of mobile orders have damaged the in-store experience at Starbucks, and Niccol will have to develop a plan to flip that around.Starbucks — along with other big brands like McDonald's — is also confronting U.S. consumers who are increasingly looking for value and deals. Niccol will have to convince drinkers that a medium Starbucks iced coffee — now more than $5 in Manhattan — is worth paying for.In China, Starbucks' second-largest market with 6,500 stores, customers are increasingly opting for coffee from lower-priced rivals. And in the Middle East and some countries in Europe, Starbucks is seeing boycotts related to the Israel-Hamas war.Niccol replaces Laxman Narasimhan, who is stepping down immediately after spending a little more than a year in Starbucks' top job. Niccol will become Starbucks' chairman and CEO on Sept.

OYO reports first-ever profit with Rs 229 crore PAT for Fy24

NEW DELHI Travel tech firm OYO has reported its first-ever profit after tax (PAT) of Rs 229 crores for FY24, according to the company's annual report. This milestone follows eight consecutive quarters of positive adjusted earnings before interest, taxes, depreciation, and amortization (EBITDA). OYO's adjusted EBITDA grew by 215% to reach Rs 877 crores in FY24, up from Rs 277 crores in FY23.OYO's earnings per share (EPS) stood at approximately Rs 0.36 in FY24, a significant turnaround from the loss per share of Rs 1.93 reported in FY23. "One big learning for me over the years is under promise and over deliver. Our audited results are published post adoption by the board. The effort of OYOpreneurs has delivered INR 229 cr net profit, exceeding my earlier estimate of INR 100 cr. Now with Rs 0.36 EPS done, now to Rs 1 EPS and beyond at FY25. Lots of improvements still left to do. Proud of what we are building together," said Ritesh Agarwal, the founder of OYO, on X.Agarwal recently invested Rs 830 crores in the company through his wholly-owned entity, Patient Capital. This investment brings the total funding for the latest round to Rs 1,457 crores. Capitalizing on its improved financials, the company is issuing 7,92,84,312 "Series G Fully and Compulsory Convertible Cumulative Preference Shares" for the acquisition of K&J Consulting, which operates the premium rental homes company Checkmyguest group from Paris, France.

An OYO spokesperson said, "Checkmyguest has a dense presence in Paris, which is one of the most visited cities in the world. OYO gets to acquire premium homes inventory primarily through a share swap over a period of time, in addition to some cash outgo for the acquisition, which gets quickly offset since it's a cash-generating business. In addition, its two affiliated companies, Studio Prestige, a Paris-based luxury apartments rental service, and Helpmyguest, a property design and renovation company, which are part of the deal, provide them with the ability to upgrade or transform the home interiors for a more premium appeal."

According to the annual report, OYO's inventory grew from 12,938 at the end of FY23 to 18,103 at the end of FY24, driven by sound business performance, increased demand, and improved market sentiment. However, the company's consolidated revenue from operations remained stable at approximately Rs 5,388 crores, compared to Rs 5,463 crores in the previous financial year. This stability reflects the time needed for new hotel additions to achieve full revenue potential.The company's total costs decreased by about 13% to Rs 4,500 crores in FY24 from Rs 5,207 crores in the previous year, attributed to a leaner cost structure through reductions in general and administrative spend and optimized marketing expenses while maintaining topline growth.

Vodafone Idea shares surge after Q1 results. Should you buy or sell

Vodafone Idea shares were trading 3% higher following the release of its Q1FY25 results, which showed a narrowing of losses. Read on to see how brokerages have assessed the telco's performance.

NEW DELHI: Vodafone Idea Ltd (VIL) shares surged following the company's first-quarter results, where it reported a narrowing of losses. The improvement was largely driven by a rise in average revenue per user (ARPU), thanks to a shift towards 4G, better data monetisation, and an increase in minimum recharge vouchers.

Despite a slight dip in revenue and continued high subscriber churn, several brokerages have maintained a 'Neutral' or 'Hold' rating on the stock, with price targets in the range of Rs 15 to Rs 16.50.

On Tuesday, Vodafone Idea's shares closed at Rs 15.48. At around 10:40 am, shares of the telecom firm were trading over 3% higher at Rs 15.97 on the Bombay Stock Exchange.Should you buy, hold or sell? Check brokerage viewsNuvama Institutional Equities noted that Vodafone Idea is in a stronger position than it was six months ago, now on a clearer path to survival—a clarity that was previously lacking. However, Nuvama cautioned that significant progress is still needed before the stock becomes a strong investment candidate."We are closely monitoring key factors such as the pace of subscriber loss, the impact of tariff hikes, capital expenditure (capex) developments, and updates on AGR/spectrum dues," Nuvama stated, maintaining its 'HOLD' recommendation.Motilal Oswal Financial Services (MOFSL) highlighted that limited investments in the network have weakened customer experience, contributing to subscriber churn. The firm believes that meaningful improvements in network investment could take another 2-3 years.Vodafone Idea plans to invest Rs 50,000-55,000 crore over the next three years to expand 4G coverage, launch 5G, and boost capacity—crucial steps given the company's current debt load of Rs 2 lakh crore and annual debt servicing requirements of Rs 43,000 crore starting FY26.

MOFSL expressed concern over these financial pressures, noting that with an annualized EBITDA of Rs 80,000 crore in Q1FY25 under IND-AS 116, the large cash outflows needed to service debt could limit upside potential for equity holders.MOFSL has projected revenue and EBITDA compound annual growth rates (CAGR) of 11% and 31%, respectively, from FY24 to FY26, and set a target price of Rs 15, reiterating a 'Neutral' stance on the stock.Meanwhile, Nuvama remains focused on how recent tariff hikes might revitalise the sector, recognizing that while Vodafone Idea is on the path to becoming a sustainable entity, it still faces significant challenges.The brokerage has made minor adjustments to its FY25 and FY26 EBITDA estimates (less than 2% change) and has maintained its target price at Rs 16.50, based on an 11 times Sep-26 EV/EBITDA valuation.JM Financial provided a more cautious outlook, stating that Vodafone Idea's long-term viability depends heavily on substantial government support.In a more optimistic scenario, JM Financial suggested that the stock's fair value could rise to Rs 20 per share if there are significant tariff hikes, pushing ARPU to Rs 200 by FY26 and Rs 300 by FY30.

However, JM Financial's current recommendation is a 'Sell' with a target price of Rs 10, citing the many hurdles that still lie ahead for the telecom operator.

Supreme Court To Hear CBI's Plea Against Nithari Killer Surendra Koli's Acquittal

On July 19, the top court had agreed to hear separate pleas filed by the Central Bureau of Investigation (CBI) and the Uttar Pradesh government against the high court verdict. It had also issued a notice and sought a response from Koli on the petitions.

New Delhi: The Supreme Court today agreed to hear a fresh plea filed by the CBI challenging the Allahabad High Court's verdict that acquitted Surendra Koli in the sensational 2006 Nithari serial killings case.

A bench of Justices BR Gavai and KV Viswanathan tagged the CBI's plea with some other petitions pending in the top court against the high court order of October 16, 2024.On July 19, the top court had agreed to hear separate pleas filed by the Central Bureau of Investigation (CBI) and the Uttar Pradesh government against the high court verdict. It had also issued a notice and sought a response from Koli on the petitions.

The top court had in May agreed to hear a plea filed by the father of one of the victims challenging the high court's verdict acquitting Koli in one of the cases.In this case, Moninder Singh Pandher was acquitted by the sessions court while Koli was awarded the death penalty on September 28, 2010.

The high court had acquitted domestic help Pandher and his employer Koli in the case in which they were facing a death sentence, holding that the prosecution failed to prove the guilt "beyond reasonable doubt" and that the investigation was "botched up".Reversing the death sentence given to Koli in 12 cases and Pandher in two cases, the high court had noted that the prosecution had failed to prove the guilt of both the accused "beyond reasonable doubt, on the settled parameters of a case based on circumstantial evidence" and the probe was "nothing short of a betrayal of public trust by responsible agencies".

Pandher and Koli were charged with rape and murder and sentenced to death in the killings that horrified the nation with their details of sexual assault, brutal murder and hints of possible cannibalism.

The high court had allowed multiple appeals filed by Koli and Pandher, who had challenged the death sentence awarded by a Central Bureau of Investigation court in Ghaziabad.

In all, 19 cases had been lodged against Pandher and Koli in 2007. The CBI had filed closure reports in three cases due to lack of evidence. In the remaining 16 cases, Koli was earlier acquitted in three and his death sentence in one was commuted to life.

The sensational killings came to light with the discovery of the skeletal remains of eight children from a drain behind Pandher's house at Nithari in Noida, bordering the national capital, on December 29, 2006.Further digging and searches of drains in the area around the house led to the recovery more skeletal remains. Most of these remains were those of poor children and young women who had gone missing from the area.Within 10 days, the CBI had taken over the case and its search resulted in the recovery of more remains.

Rajnath Singh Chairs Key Security Meet Over Rising Terror Attacks In J&K

New Delhi: Defence Minister Rajnath Singh convened a high-level meeting today focusing on the rising number of terror-related incidents in Jammu and Kashmir. The meeting, held at the South Block in New Delhi, was attended by top officials National Security Advisor (NSA) Ajit Doval and Army Chief General Upendra Dwivedi.

The meeting was called in response to a series of terror-related incidents that have plagued Jammu and Kashmir in recent months. The security forces across the Union Territory have been placed on high alert ahead of Independence Day. An Army captain was killed and four terrorists were gunned down in an ongoing operation in the higher reaches of Jammu's Doda district today.The situation in Jammu has become increasingly volatile, with a noticeable uptick in terror attacks. On August 10, two soldiers and a civilian were killed during a gunfight between terrorists and security forces in Anantnag. The region has witnessed attacks on an army convoy in Kathua, skirmishes in Doda and Udhampur, and a failed attack by the Pakistan Border Action Team (BAT) along the Line of Control (LoC) in Kupwara district's Machchal sector.According to the Ministry of Home Affairs (MHA), 28 people, including civilians and security personnel, were killed in 11 terror-related incidents and 24 counter-terror operations up to July 21 this year.

In the past two months, the frequency of attacks and ambushes has increased, particularly in the southern reaches of Pir Panjal, an area that had been relatively quiet in terms of terrorist activity for some time. Notable among recent incidents was an operation in which two Army officers were killed, and two Pakistani terrorists, including a Lashkar-e-Taiba sniper and explosives expert, were eliminated.

Big Win For Mineral Rich States In Court, Can Collect Past Dues On Royalty

New Delhi: The Supreme Court today allowed mining-rich states to collect past dues on royalties from mining companies. The court ordered that states can impose levies with effect from April 1, 2005 and the payments will be staggered in 12 years. The bench, however, directed the states to not impose a penalty of any kind on payment of dues.The Centre has opposed the demand of states for refund of royalty levied on mines and minerals since 1989, saying it will impact the citizens and the PSUs will have to empty their coffers by ? 70,000 crore according to initial estimates.

CJI Chandrachud said this verdict will be signed by eight-

judges of the bench who by majority decided the July 25 judgement giving the state's power to levy taxes on mineral rights.He said that Justice Nagarathna will not sign Wednesday's verdict as she had given a dissenting view in the July 25 verdict.

Last month, the Supreme Court upheld state governments' right to levy royalty on mineral-bearing land, reasoning they had the competence and power to do so.The landmark 8:1 verdict was delivered by a bench led by Chief Justice DY Chandrachud, which ruled 'royalty' is not the same as 'tax'; Justice BV Nagarathna delivered the dissenting verdict.

The verdict will benefit mineral-rich states like Odisha, Jharkhand, Bengal, Chhattisgarh, Madhya Pradesh, and Rajasthan, as their governments can now charge additional levies on mining companies operating in their territories.

Wayanad landslides: Authorities complete DNA tests of 401 body parts

Recovery and identification of bodies continue in Wayanad two weeks after three deadly landslides hit the Chooralmala and Mundakai areas.

New Delhi. Health authorities in Kerala have completed DNA tests on 401 bodies and body parts recovered from the landslide-hit areas in Wayanad to identify the remains, officials said.

The exhaustive search operation, involving the Army, Special Operations Group, Fire and Rescue Services, Forest Department, and hundreds of volunteers, recovered 349 body parts belonging to 248 individuals, including 121 men and 127 women.

According to State Revenue Minister K Rajan, 52 of these bodies or body parts were too decomposed for immediate identification and require further testing, as many people are still awaiting information about their families.

Meanwhile, the search in the Nilambur area and Chaliyar River continued on Tuesday, with three more body parts discovered.

Kerala Forest Minister AK Saseendran said, "As of now, 231 bodies and around 206 body parts have been recovered. At present, there are a total of 1,505 people staying in 12 camps, and 415 samples have been sent for DNA testing".

Currently, blood samples from 115 individuals have been collected, including those of relatives of three Bihar natives. State authorities have intensified efforts to shift survivors from relief camps to temporary settlements. The process to identify vacant houses and residential facilities in Wayanad is underway.

The Harrison Malayalam labour unions have been asked to assess the safety and management of 53 ready-to-occupy houses and report on additional housing options. A fully equipped temporary settlement is planned for Meppadi, Mupainad, Vaithiri, Kalpatta, Muttil, and Ambalavyal, news agency reported.

A five-member committee consisting of panchayat members, revenue officers, and social workers inspected rental housing options within local self-government limits on Wednesday. Additionally, the cabinet sub-committee has issued 1,368 certificates through a special campaign for disaster victims.

Three devastating back-to-back landslides hit Chooralmala and Mundakai areas in Wayanad in the early hours of July 30, destroying houses and buildings over a vast area and burying residents under mud.

2 Dogs, 2 Lions, And An Almost-Fight In Gujarat

The two dogs and the big cats faced off at a cowshed in Savarkundla in Gujarat's Amreli, some 70 kilometres from the famous Gir National Park, known for Asiatic lions.

New Delhi: A video of two dogs and two lions getting into a fight - almost - in Gujarat has gone viral on social media. The four animals faced off at a cowshed in Savarkundla in Gujarat's Amreli, some 70 kilometres from the famous Gir National Park, known for Asiatic lions.

The incident, caught on CCTV installed at the gates, took place late Sunday night.The video shows the two big cats approaching the cowshed when they suddenly encounter the two dogs on the other side of the gate.They faced off at a cowshed in Savarkundla in Gujarat's Amreli, some 70 kilometres from Gir National ParkNew Delhi: A video of two dogs and two lions getting into a fight - almost - in Gujarat has gone viral on social media. The four animals faced off at a cowshed in Savarkundla in Gujarat's Amreli, some 70 kilometres from the famous Gir National Park, known for Asiatic lions.

The incident, caught on CCTV installed at the gates, took place late Sunday night.

The video shows the two big cats approaching the cowshed when they suddenly encounter the two dogs on the other side of the gate.The four then started slamming the gate. They, however, were unable to harm each other due to an iron gate that separated them.The lions then ran into nearby bushes, seconds before a man came out of the gate, apparently trying to figure out what happened.

He then tried to look into the bushes using a torch and finally returned to the cowshed and locked the gates.The lions had apparently strayed out of a reserve forest area. There, however, was no official statement on the incident.The incident emerged a day after Gujarat marked World Lion Day with programmes to spread awareness about the conservation and protection of big cats.

The state forest department marked the day by spreading awareness through SMSes and emails to citizens, and school students participated in rallies, drawing competitions, etc., in 11 districts with a lion population.

Mumbai Hit-And-Run Horror: SUV Kills Sleeping Rickshaw Driver On Restricted Beach Area

New Delhi: A 36-year-old rickshaw driver, Ganesh Yadav, was killed after being run over by a white SUV while sleeping on Mumbai's Versova Beach along with his friend, the police said on Wednesday.

The police have registered a case of culpable homicide against two individuals and arrested them.This includes the driver of the SUV, who fled the scene after the incident that took place in the early hours of Monday.Ganesh Yadav and his friend, Bablu Srivastava, had decided to sleep on the cool sand on Versova Beach to escape the extreme heat in their room.

They were sleeping in an area that was out-of-bounds for all vehicleHowever, Bablu was awakened from his sleep by the noise of screeching brakes and people screaming.To his horror, he saw that a white SUV had run over his friend Ganesh. Bablu saw two men exit the vehicle, attempt to check on Ganesh, and then flee when he did not respond.

Versova Police arrived promptly at the scene after receiving information about the incident and rushed Ganesh to Cooper Hospital, where he was pronounced dead.The police registered a case under various sections of the IPC.

The suspects, identified as Nikhil Jawale (34) and his friend Shubham Dongre (33), were arrested within hours of the crime, according to a senior police officer.Their blood samples are being tested for further investigation.The suspects were presented in Andheri Court and remanded in police.

Why Kolkata Doctor's Rape-Murder Case Went To CBI: Court's Tough Remarks

Five days before Chief Minister Mamata Banerjee's deadline to police, the Calcutta High Court intervened and ordered that the case be transferred to CBI at once.

New Delhi. West Bengal Chief Minister Mamata Banerjee had given Kolkata Police six days to complete the investigation into the chilling rape and murder of a 31-year-old doctor at a state-run hospital. If the city police cannot finish their probe by Sunday, she said Monday, the state government would recommend a CBI investigation into the incident that has shaken the state and the country.

But five days before the Chief Minister's deadline to police, the Calcutta High Court intervened and ordered that the case be transferred to the central agency at once. This was a rare occasion when a court ordered transfer of the case during the first hearing in the matter.

The bench led by Chief Justice TS Sivagnanam noted that there has been "no significant progress in the investigation" so far and flagged the possibility of destruction of evidence. The court also noted serious lapses on the part of the hospital administration and slammed the former Principal, whose resignation and swift reinstatement in a key role has sparked a row.

The Petitions

Multiple public interest litigations were filed in the high court with the common prayer that state police hand over the investigation to CBI or any other independent agency. Among the petitioners were the victim's parents and BJP leader Suvendu Adhikari. The court's order noted that the petitioners had said there were injuries on the victim's body and that Chief Minister Banerjee had said the state government has no objection if the probe was transferred to CBI. The parents, sought a probe monitored by the high court to ensure that no evidence is tampered with or destroyed. The parents also sought protection for themselves, witnesses and any other individual who may have information related to the case.

The Court's Basis

The court said it is a guided by various decisions of the Supreme Court. "At this juncture, we referred to the decision in K. V. Rajendran Vs. Superintendent of Police reported in (2013) 12 SCC 480, where the law has been summarized that the Court would exercise its Constitutional powers for transferring an investigation from the State Investigating Agency to any other independent investigating agency like C.B.I. only in rare and exceptional cases, where the Court finds it necessary in order to do justice between the parties and to instill confidence in the public mind," the order said.

News box

Over 1,000 arrested in UK over violent rioting, targeted attacks against Muslims

London British authorities have now arrested more than 1,000 people following days of rioting involving violence, arson and looting as well as racist attacks targeting Muslims and migrants, a national policing body said on Tuesday.The riots, which followed the killings of three young girls in the northern English town of Southport, began after the July 29 attack was wrongly blamed on an Islamist migrant based on online misinformation.Violence broke out in cities across England and also in Northern Ireland, but there have been fewer instances of unrest since last week after efforts to identify those involved were ramped up.Many have been swiftly jailed, with some receiving long sentences.The National Police Chiefs' Council said in its latest update that 1,024 had been arrested and 575 charged across the UK.Those arrested include a 69-year-old accused of vandalism in Liverpool and a 11-year-old boy in Belfast.A 13-year-old girl pleaded guilty to violent disorder at Basingstoke Magistrates' Court, prosecutors said, having been seen on July 31 punching and kicking the entrance to a hotel for asylum seekers."This alarming incident will have caused genuine fear amongst people who were being targeted by these thugs – and it is particularly distressing to learn that such a young girl participated in this violent disorder," prosecutor Thomas Power said.

High doses of narcotic drug found in sweets handed out by New Zealand charity

Pineapple sweets dished out by a New Zealand charity have tested positive for potentially lethal amounts of methamphetamine, police said Wednesday, sparking an urgent race to remove them from the streets.Anti-poverty charity the Auckland City Mission raised the alarm after discovering a batch of the sweets was contaminated with the highly addictive and illegal narcotic, police said."An investigation is under way and police are treating the matter as a priority given the risk to the public."The New Zealand Drug Foundation said a test sample of an innocuous-looking piece of white candy in a bright yellow wrapper indicated it contained methamphetamine.Foundation spokeswoman Sarah Helm said the tested sweet contained approximately three grams of meth -- hundreds of times greater than the common dose taken by users."Swallowing that much methamphetamine is extremely dangerous and could result in death."

Helm urged people who had received confectionaries from the Auckland charity not to consume them."We don't know how widespread it is."The candy was donated anonymously by a member of the public, the charity said, in a sealed branded package. The sweets were then distributed into food parcels.

"There is a potential for New Zealand that there is a lethal substance dressed up as a lolly (sweet)," Helen Robinson from Auckland City Mission told reporters."We have to work on the assumption that this was a kind of batch."The charity believes up to 400 people could have received the affected sweets in a food package.Robinson said so far eight separate families had been affected, but no one had yet been hospitalised.

Girls in Gaza cut off their hair due to a lack of combs, soaps amid war: Report

Gaza. When girls complain to Gaza paediatrician Lobna al-Azaiza that they have no comb, she tells them to cut off their hair.It's not just combs. Israel's blockade of the territory, ravaged by 10 months of war, means there is little or no shampoo, soap, period products or household cleaning materials.Waste collection and sewage treatment have also collapsed, and it's easy to see why contagious diseases that thrive on overcrowding and lack of cleanliness - such as scabies or fungal infections - are on the rise."In the past period, the most common disease we have seen was skin rashes, skin diseases, which have many causes, including the overcrowding in the camps, the increased heat inside the tents, the sweating among children, and the lack of sufficient water for bathing," the doctor said.

Azaiza used to work at Kamal Adwan Hospital in Beit Lahia until Israeli tanks separated the north of the besieged enclave from the south.

Like most of Gaza's medics, she has adapted and continues to treat patients, walking to work past her own ruined house, demolished by an Israeli strike.The tent clinic she set up wih a small team began by treating children, but has by necessity become a practice for whole families, most of whom have also been ordered or bombed out of their homes, like the vast majority of Gaza's 2.3 million people.

Even the medication that is available is often unaffordable; a tube of simple burn ointment can now cost 200 shekels ($53).International aid deliveries have been dramatically reduced since Israel seized control of the Rafah border crossing from Egypt, exacerbating a humanitarian crisis.Israel denies responsibility for delays in getting urgent humanitarian aid in, saying that the U.N.

Israel critic Ilhan Omar secures US primary victory, defends seat amid backlash

Minneapolis. Democratic US Rep. Ilhan Omar has won her primary race in Minnesota.Omar is one of the progressive House members known as the "Squad". She successfully defended her Minneapolis-area 5th District seat against a repeat challenge from former City Council member Don Samuels in Tuesday's primary.

She only narrowly defeated the more centrist liberal in the 2022 primary. Omar is a sharp critic of the Israeli government's handling of the Israel-Hamas war. She avoided the fate of two fellow Squad members who lost their primaries against candidates backed by groups that support Israel.Omar's fellow Squad member Rep. Cori Bush lost the Democratic nomination in Missouri last week. Rep. Jamaal Bowman of New York lost his primary in June. The only charter member not facing a primary challenge is Rep. Ayanna Pressley of Massachusetts.

Both Bush and Bowman faced well-funded challengers and millions of dollars in spending by the United Democracy Project, a super political action committee affiliated with the American Israel Public Affairs Committee, which appears to be sitting out the Minnesota race.But Omar isn't taking victory for granted. Omar reported spending $2.3 million before the 2022 primary. In the same period this year, she reported raising about $6.2 million. Samuels has raised about $1.4 million.Omar — a Somali American and Muslim — came under fire from the Jamaican-born Samuels and others in her first term for comments that were widely criticised for invoking antisemitic tropes and suggesting Jewish Americans have divided loyalties. This time, Samuels has criticised her condemnation of the Israeli government's handling of the Israel-Hamas war.While Omar has also criticised Hamas for attacking Israel and taking hostages, Samuels says she's one-sided and divisive. He's also been stressing the public safety issues he focused on in 2022. The big issue at the time was policing in Minneapolis, where a former police officer murdered George Floyd in 2020..The winner in the overwhelmingly Democratic district will

face Republican Dalia Al-Aqidi, an Iraqi American journalist and self-described secular Muslim who calls Omar pro-Hamas and a terrorist sympathiser.In the US Senate race, White — an ally of imprisoned former Trump aide Steve Bannon and conspiracy theorist Alex Jones — shocked many political observers when he defeated Fraser at the party convention for the GOP endorsement.White's social media comments have been denounced as misogynistic, homophobic, antisemitic and profane. His legal and financial problems include unpaid child support and questionable campaign spending, including $1,200 spent at a Florida strip club after he lost his primary challenge to Omar in 2022. He argues that, as a Black man, he can broaden the party's base by appealing to voters of colour in the Minneapolis-St. Paul area and others disillusioFraser has said White's confrontational style and message won't attract the moderates and independents needed for a competitive challenge against Klobuchar, who's seeking a fourth term. He said he offers a more mainstream approach, stressing fiscal conservativism, a strong defence, world leadership and small government. Fraser has also highlighted his 26 years in the Navy, where he was an intelligence officer and served a combat tour in Iraq.ned with establishment politics.Neither has anywhere near the resources that Klobuchar has. White last reported raising $133,000, while Fraser has taken in $68,000. Klobuchar, meanwhile, has collected about $19 million this cycle and has more than $6 million available to spend on the general election campaign.

Over 140 cyberattacks linked to Olympics reported in France

Paris French authorities said on Tuesday that more than 140 cyberattacks were reported during the Paris Olympics, but none of them disrupted the competitions.In the runup and throughout the Olympic Games, France's cyber security agency had been on high alert for attacks that had the potential to disrupt the organising committee, ticketing or transport.Between July 26 and August 11, government cyber security agency Anssi recorded 119 reports corresponding to low-impact "security events" and 22 incidents in which "a malicious actor" successfully targeted a victim's information system.The attacks mainly targeted government entities as well as sports, transport and telecoms infrastructure, the agency said.

According to Anssi, a third of those were downtime incidents, half of which were due to denial-of-service attacks designed to overwhelm servers.The other cyber incidents were related to attempted or actual compromises and data disclosure, among others."All the cyber events that occurred during this period were generally characterised by their low impact", said Anssi.The Grand Palais, which hosted Olympic events in Paris, and around 40 other museums in France were victims of a ransomware attack in early August, but this did not affect any of the information systems involved in the games, according to Anssi.Ransomware exploits security flaws to encrypt and block computer systems, demanding a ransom from a user or an organisation to unlock them.During the pandemic-delayed Tokyo Olympics held in 2021, organisers reported 450 million such operations, twice as many as during the 2012 London Olympics.Ahead of the Paris Olympics, Marie-Rose Bruno, director of technology and information systems for the Paris Games, had said he expected "eight to 10 times more" cyber attacks than those seen at the Games in Tokyo.

Japan PM Kishida to step down in September, won't seek re-election: Report

Tokyo Japanese Prime Minister Fumio Kishida will step down as ruling party leader in September, media reported on Wednesday, ending a three-year term marked by rising prices and marred by political scandals.Kishida, who saw his public support erode, will not seek re-election in the Liberal Democratic Party (LDP) leader, Japanese media including public broadcaster NHK reported citing senior administration staff.An LDP spokesperson declined to comment.Kishida's decision to quit will trigger a contest to replace him as party boss, and by extension, as the leader of the world's fourth-biggest economy.The successor the LDP chooses could face increases in living costs, escalating geopolitical tensions, and the potential return of Donald Trump as US President next year.As the country's eighth-longest serving post-war leader, Kishida led Japan out of the Covid pandemic with massive stimulus spending, but later appointed Kazuo Ueda, an academic tasked with ending his predecessor's radical monetary stimulus, to head the Bank of Japan (BOJ).The BOJ in July unexpectedly raised interest rates, contributing to stock market instability and sending the yen sharply lower.If the "reporting is accurate, we should expect tighter policy or neutral but slightly tighter fiscal and monetary conditions depending on the candidate", said Shoki Omori, chief Japan desk strategist, Mizuho Securities, Tokyo."In short, risk-assets, particularly equities, will likely be hit the most," he added.In another break from the past, Kishida also eschewed corporate profit-driven trickle-down economics in favour of policies aimed at boosting household incomes.

Ex-ISI chief Faiz Hameed's arrest 'internal issue' of Pak army, says Imran Khan

Islamabad. Pakistan's jailed former premier on Tuesday termed the arrest of former ISI chief Faiz Hameed as an "internal issue" of the military and said that the army's action against the former general has nothing to do with his party.Hameed served as the director general of Inter-Services Intelligence (ISI) from 2019 to 2021, when Khan was prime minister and was accused of meddling in political affairs at his behest."Khan sahib said just this that 'it is the army's internal matter' and that whatever action the army has taken has nothing to do with the PTI or Khan sahib," Khan's legal representative Intezar Panjutha said.Panjutha made these remarks following a meeting of Khan with his senior lawyers at Adiala Jail in Rawalpindi.Panjutha quoted Khan as saying it was purely a military matter, with no links to PTI. He further clarified that there had been no political connection between Khan and General Faiz.Khan also claimed that former army chief General Qamar Javed Bajwa had replaced General Faiz after making a deal with Nawaz Sharif, according to the lawyer.Khan also suggested that if General Faiz's arrest was related to the events of May 9, it would be an opportune moment to form a judicial commission and bring the CCTV footage of the day to light, Panjutha noted.He also stated that the former premier urged his followers to peacefully protest tonight for the sake of freedom, stressing the importance of taking to the streets for the country.Panjutha also highlighted Khan's concerns over the mounting pressure on the Supreme Court, the disillusionment among the youth, and the deteriorating conditions in Pakistan, comparing them with those in Bangladesh.He stated that Khan believed it was time for Chief Justice Qazi Faez Isa to step back, highlighting that PTI's three seats were allegedly taken away the previous day.Earlier, in an unprecedented move, Hameed was detained by military authorities and court-martial proceedings were initiated against him on charges of corruption, misuse of authority and violating the Pakistan Army Act.

Taliban marks three years since return to power in Afghanistan

Taliban authorities will celebrate the third anniversary of their takeover of Afghanistan on Wednesday, with a military parade at a former US military base and festivities in key cities.

Kabul Taliban authorities were set to celebrate the third anniversary of their takeover of Afghanistan on Wednesday, with a military parade at a former US military base and festivities in key cities.

Extra security was deployed in the capital Kabul and the Taliban's spiritual home of Kandahar ahead of the "day of victory", with Islamic State group attacks a continued threat in the country.Taliban forces seized Kabul on August 15, 2021, after the US-backed government collapsed and its leaders fled into exile. The anniversary is marked a day earlier on the Afghan calendar.The Day of Victory is historically a significant and proud day for the Islamic Ummah (nation), and particularly for the Afghan people," said Prime Minister Mohammad Hassan Akhund in a statement on Tuesday."On this date, Allah granted the Mujahid nation of Afghanistan a decisive victory over an international arrogant and occupying force."In the three years since they ended their 20-year insurgency, the Taliban government has consolidated its grip on the country, implementing laws based on its strict interpretation of Islam, even though it is still unrecognised by any other state.Their restrictions

on women, who bear the brunt of policies the United Nations has called "gender apartheid", remain a key sticking point.

Banners, flags and poetryThe days before the celebrations, workers were busy putting up banners and billboards reading "Congratulations" with the anniversary date around Kabul.Vendors selling flags of the Islamic Emirate of Afghanistan -- the Taliban government's formal name for the country -- dotted the city, the white and black standard also fluttering over streets.

A military parade and speeches were to be held at the Bagram airbase, the US military's former centre of operations in Afghanistan, around 40 kilometres (25 miles) outside of Kabul.Celebrations featuring athletes and poetry readings were due to be held in the capital.Heavy security and decorations also went up in the southern city of Kandahar -- the birthplace of the Taliban movement and home to the reclusive leader Hibatullah Akhundzada, who rules through religious edict.Security has been a key priority for Taliban authorities, and while many Afghans express relief at the end of 40 years of successive conflicts, the economy remains in crisis and the population mired in a worsening humanitarian crisis.A joint statement from international non-governmental groups warned of the growing aid funding gap to the country, with 23.7 million people in need of humanitarian assistance.Human Rights Watch (HRW) reiterated calls for pressure on the Taliban government to lift restrictions on women, who have been squeezed from public life and banned from secondary and higher education."The third anniversary of the Taliban's takeover is a grim reminder of Afghanistan's human rights crisis, but it should also be a call for action," said Fereshta Abbasi, Afghanistan researcher for HRW.

Canada Minister urges reforms in temporary worker programme amid UN 'slavery' jab

Canada's immigration minister stated that there is a need for reform in the Temporary Foreign Worker Program following a UN report labelling it a breeding ground for modern slavery.

Ottawa. Canada's temporary foreign worker program is not fatally flawed but is "in need of reform," the country's immigration minister told Reuters on Tuesday, following a damning UN report that dubbed the program a breeding ground for modern slavery.The program brings non-Canadians to the country to work on a temporary basis. Ostensibly meant to fill labour shortages, it has grown dramatically and has come under fire for suppressing wages and leaving workers vulnerable to abuse.The low-wage temporary foreign worker stream, especially, "is one that we need to take a more careful look at," Immigration Minister Marc Miller said.Its ranks have grown dramatically - from 15,817 in 2016 to 83,654 in 2023, thanks in large part to expansions in 2022.

Among other things, these expansions increased the share of employers' workforces that could be low-wage temporary foreign workers, and the change waived a rule precluding the hiring of temporary foreign workers in certain low-wage occupations in regions with unemployment rates of 6 per cent or higher.Labour Minister Randy Boissonnault is considering "a refusal to process in the low wage stream if the abuse and misuse does not improve," said labour ministry spokesperson Mathis Denis.But "even when the program is working as intended and there's no abuse, the low-wage stream absolutely suppresses wages. It's kind of designed to," said economist Mike Moffatt, senior director at the Smart Prosperity Institute.If it were up to him, he said, he would end the low-wage stream entirely. "I don't think employers have some constitutional right to low-wage workers."The United Nations Special Rapporteur on contemporary forms of slavery said in a report last week that Canada's "Temporary Foreign Worker Program serves as a breeding ground for contemporary forms of slavery."Problems cited included underpayment and wage theft and physical, emotional and verbal abuse. The report also noted that workers struggle to access healthcare.Reducing the number of temporary residents, as Canada plans to do, will not address problems making these migrants vulnerable.

NEWS BOX

TT star Sreeja Akula reaches historic career-best ranking after Paris Olympics

New Delhi Sreeja Akula reached her career-best ranking of No.21 in the world after her campaign in the Paris Olympics 2024. She also attained the highest ranking by an Indian table tennis player. From being ranked No.89 at the start of the year, the 26-year-old has climbed the ladder briskly. She recently became only the second Indian paddler after Manika Batra to reach the Round of 16 of a table tennis event at the Olympics.In the quarterfinal on her 26th birthday, Sreeja made World No.1 Sun Yingsha of China work hard. But after fetching nine game points in the first two sets, Sreeja failed to hold her nerves. The youngster started with a dominating 4-0 win over Christina Kallberg of Sweden, after which she beat Singapore's Zeng Jian 4-2.

But Sreeja failed to show the same dominance against Sun, losing 0-4. She was also a part of the Indian women's team that advanced to the quarterfinal where they lost to Germany. She partnered Manika and Archana Kamath.

Sreeja Akula to miss Ultimate Table Tennis

Sreeja, in the meantime, has been ruled out of the Ultimate Table Tennis 2024. In a statement, she said that he decided to pull out after suffering a stress fracture. Sreeja said that she needs around six weeks to attain full fitness."I'm sorry to share that I've been diagnosed with a stress fracture and on my doctor's advice, I'll need to rest for six weeks, which unfortunately means I won't be able to participate in UTT 2024," Sreeja said.Apart from doing well in the Olympics, Sreeja also made a mark in the 2022 Commonwealth Games after winning gold in mixed doubles with Achanta Sharath Kamal. Back in June, Sreeja also became the first Indian table tennis player to win a WTT (World Table Tennis) Contender single title.

'Flying' Mitchell Santner's come-from-behind catch in The Hundred viral

New Delhi. There is a saying, 'Catches win matches'. This phrase has stood the test of time across the formats in cricket history. New Zealand star Mitchell Santner pulled off a brilliant catch to dismiss Michael Pepper during the Hundred match between London Spirit and Northern Superchargers at Headingley, Leeds. In an all-important match, Northern Superchargers put the London Spirit team into bat first with Michael Pepper and Keaton Jennings opening for them. During the 11th ball of the game, Pepper lofted Reece Topley's delivery over mid-on.

Santner gave the ball a chase and kept his eyes on the ball that was going swirling in the air. He charged back from mid-on and completed a brilliant catch with a full-stretch dive at deep mid-on to dismiss Pepper for three runs.

The official social media handle of The Hundred took to X to share the blinder being taken by the Kiwi star player.

Northern Superchargers beat London Spirit

The Northern Superchargers kept their hopes alive in The Hundred with a crucial rain-affected victory over London Spirit at Headingley. The win places them second in the table with 11 points, but their fate now hangs in the balance. To secure a place in the knockout stages, they must rely on either Welsh Fire or Manchester Originals to win their upcoming matches.Adil Rashid was the star performer for the Superchargers, taking 3 for 16 in a brilliant bowling display that restricted London Spirit to just 111 runs from their 100 balls. Rashid, the England leg-spinner, has been in fine form throughout the competition. On Tuesday night, he removed key batters Matt Critchley, Shimron Hetmyer, and Andre Russell within just 15 balls, effectively dismantling Spirit's batting lineup.For London Spirit, Liam Dawson continued to lead with both bat and ball. He scored 27 from 19 balls, and alongside veteran Ravi Bopara's 31, they managed to push the total into triple figures. However, the target seemed modest.

Manchester United sign Bayern Munich duo Matthijs de Ligt and Noussair Mazraoui

Matthijs de Ligt and Noussair Mazraoui will play for the Manchester United after making a move from Bayern Munich. The Bayern Munich duo were reportedly roped in for over 50 million pounds.

New Delhi Manchester United have made significant additions to their squad, signing Dutch centre-back Matthijs de Ligt and Moroccan full-back Noussair Mazraoui from Bayern Munich. The strategic acquisitions were finalised on contracts that will keep De Ligt at the club until June 2029 and Mazraoui until June 2028, the Premier League club officially announced on Tuesday.

While the specific financial terms were not publicly released, reports suggest that Manchester United shelled out over 50 million pounds (64.32 million dollars) for the pair. Both contracts feature an option to extend for an additional year, providing United with long-term stability in their defensive lineup.Both De Ligt and Mazraoui have deep roots in Dutch football, having started their careers at Ajax Amsterdam. Their paths crossed earlier under the stewardship of current Manchester United manager Erik ten Hag, during a period in which both players established themselves as exceptional talents.25-five-year-old De Ligt brings a wealth of experience, having won the Eredivisie with Ajax in the 2018-19 season, the Serie A title with Juventus in 2019-20, and the Bundesliga with Bayern Munich in the 2022-23 season. His defensive prowess and leadership qualities are highly regarded in European football circles.

"Erik ten Hag shaped the early stages of my career, so he knows how to get the best out of me and I cannot wait to work with him again," De Ligt said in a statement."I know what it takes to succeed at the highest level, and I'm determined to continue that record at this special club."

'I know what ten Hag expects'

Mazraoui, now 26, also boasts an impressive resume. He joined Bayern from Ajax in 2022 and accumulated 55 appearances in all competitions. Despite being temporarily sidelined by injury last season, Mazraoui helped Bayern secure the Bundesliga title and the DFL-Supercup in his debut campaign."Erik ten Hag played an important part in my development as a player, so it is exciting to be reuniting with him as I enter the prime years of my career," Mazraoui said.

"I know what he expects from his players, and I will give everything to help the group be successful."

Olympics: Sanjay Singh blames wrestlers' protests for India's poor medal tally

Paris Olympics: WFI president Sanjay Singh said that India could not win enough medals in wrestling as the wrestlers did not get enough time to prepare for the quadrennial event.

New Delhi. Sanjay Singh, the WFI chief, said that the wrestlers' protest was the major reason why India could not win enough medals in Paris Olympics 2024. India had sent a six-member contingent, but it was only Aman Sehrawat, who finished on the podium after he won the bronze medal in the men's 57kg category. The 21-year-old Sehrawat beat Puerto Rico's Darian Cruz in the third-place playoff.Singh, who had taken over from Brij Bhushan Singh as the WFI chief last December, said that the wrestlers could not get enough time to prepare for the showpiece event due to the tensions created by the protests that carried on for around a year.

"If you look at it from the other angle, the protests that took place for 14-15 months, the entire wrestling fraternity was disturbed. Let alone one category, the wrestlers in other category struggled as they could not practice without national and international tournaments. Hence, the wrestlers could not perform well," Sanjay Singh told India Today.Vinesh Phogat, Bajrang Punia and Sakshi Malik were a part of the protests against Brij Bhushan that started back in January 2023. Last year, Sakshi, India's only woman with an Olympic medal in wrestling, retired after Sanjay Singh replaced Brij Bhushan at the top.

Vinesh Phogat's fate hangs in balance

Vinesh took part in the Olympics in the women's 50kg category, but her fate hangs in the balance as it is still not known if she will win a medal. The 29-year-old had become the first Indian woman to qualify for an OIympic final in wrestling, but she was disqualified after being found 100 grams more than the permissible limit at the weigh-ins. Vinesh, in the meantime, also retired from wrestling amidst the controversy.

The Court of Arbitration for Sport (CAS) is yet to deliver a verdict after Vinesh appealed for her silver medal to be retained. Apart from Vinesh and Aman, the other wrestlers, Anshu Malik (57kg), Reetika Hooda (76kg), Nisha Dahiya (68kg) and Antim Panghal (53kg) failed to make an impact.

English surfaces haven't been great across The Hundred: Lewis Gregory

New Delhi. Trent Rockets captain Lewis Gregory opened up about the low-scoring totals in the ongoing men's Hundred. Gregory felt that the 'tired' pitches have been the main reason behind the drop in totals this season. The average-first innings total slumped from 155 last time to 133 this season. Previously, there were 14 scores of 170-plus and this time it has only been one so far in 2023. Many players like Liam Livingstone blamed the ball, which deviates more than the standard-issue white Kookaburra, because of the extra lacquer required for branding of The Hundred.

"I don't think the surfaces have been particularly great across the board," he told the media. "These balls do seem to swing a fraction more than the normal white Kookaburras that we use in the Blast. I just think the combination of that and some tired pitches at the back end of an English season has made it quite difficult for free-flowing striking."

Low scores in The Hundred

However, the balls are known to be exactly of the same specifications as last year and Gregory felt that the "tired" pitches are to be blamed."You're seeing the ball get off straight a lot, which obviously makes it difficult to whack out of the park when the ball is moving around," Gregory said. "There's a lot of cricket throughout the English summer and [we are] coming towards the back end. There are a few tired wickets that bring spinners into the game, and then there's a few wickets that have done a lot for the seamers."The Hundred is being held at the same eight venues as in previous season, but the UK has experienced an unusually high level of rainfall this year, which contributed to groundstaff's challenges.

OTD: 17-year-old Sachin Tendulkar announces arrival with maiden India century

On This Day: Sachin Tendulkar scored his maiden century for India back in August 1990 in a Test match against England at the Old Trafford in Manchester.

New Delhi Back in August 1990, Sachin Tendulkar announced his arrival to international cricket after scoring his maiden hundred for India. The Master Blaster, who was only 17 years old back then, played a spectacular knock against England in the second Test of the three-match series at Old Trafford in Manchester. Facing the likes of Devon Malcolm, Angus Fraser and Eddie Hemmings did not bother him.

After losing the opening Test by 247 runs at the Lord's, India found themselves under immense pressure. Tendulkar did not have the best of outings at the Home of Cricket after getting scores of 10 and 27. In the Manchester Test, India again got into trouble as England scored 519 in their first innings after opting to bat first.

Tendulkar came to their rescue this time around. He scored 68 in the first innings, although India ended up conceding a lead of 87 runs. Chasing a mammoth target of 408, India had to put in a special effort to avoid going 0-2 down. Sachin put his hands up in crisis and got to his hundred. Batting at No.6, the then youngster scored 119 runs from 189 balls with the help of 17 fours.India were staring down the barrel with their score at 183 for six following Kapil Dev's dismissal. From there on, Sachin and Manoj Prabhakar put on a partnership of 160 runs for the seventh wicket to save the day for the Indian team. He got support from Prabhakar, who made 67 runs off 128 balls with the help of eight fours.India went on to lose the series 0-1 after the third Test at the Kennington Oval in London also ended in a draw. Tendulkar had a memorable series after he scored 245 runs from five innings at an average of 61.25 and a strike-rate of 55.80.23 years later in 2013, Sachin became the first cricketer to play 200 Test matches. Even after 11 years following his retirement, he remains the leading run-scorer in Tests.

PR Sreejesh wants to follow Rahul Dravid's footsteps as coach after retirement

Paris Olympics: PR Sreejesh said that he wanted to take inspiration from Rahul Dravid's coaching career. He also talked about his aspirations to coach the Indian senior team in the 2036 Olympics.

New Delhi. PR Sreejesh said that he wants to take cues from Rahul Dravid regarding shaping his career as a coach. The Indian goalkeeper recently retired from international hockey after India won the bronze medal in the Paris Olympics 2024. Sreejesh ended his career with back-to-back Olympic medals after he also clinched bronze three years ago in Tokyo.After retiring, Sreejesh is also set to start his coaching career after taking charge of the Indian junior team. But the veteran said that instead of rushing, he wants to develop a bunch of players for the future before moving on to coach the national team.

Sreejesh, who has been a hero for India over the years, has given himself eight years before he thinks about coaching the national team. He also talked about his aspirations to coach India in the 2036 edition of the Olympics.

PR Sreejesh sets his goals as coach

"I want to become a coach. That was always my plan but now there is a question of when. After retirement, family comes first. I need to talk with them if they are OK with this.

Now you have to listen to your wife a little bit," Sreejesh told PTI."The way I wanted is start with the juniors, and Rahul Dravid is an example. It's like you develop a bunch of players, get them into the senior team and let them follow you," he said."I start this year, next in 2025, we have the junior World Cup and in another two years, the senior team will be playing the World Cup. So may be, by 2028, I can produce 20 or 40 players and by 2029, I can have 15-20 players into the senior team and by 2030 almost like 30-35 players in the senior side."And 2032, I will be ready for the chief coach's position. If India gets to host the 2036 Olympic Games, I want to be the India coach," Sreejesh added.As far as Dravid is concerned, he recently bowed out as India men's head coach after the T20 World Cup in the West Indies and USA. He had taken over from Ravi Shastri back in November 2021 and helped India gain success across all three formats.

Srinidhi Shetty

Has A 'Never-ending' Love Affair With Sarees And Her Recent Post Is Proof

Actress Srinidhi Shetty has established a sizable fan base in the hearts of her followers ever since marked her debut in Kannada cinema with KGF: Chapter 1. She never misses an opportunity to leave followers floored with her sartorial choices by often posting pictures from her photoshoots on social media. Her recent slew of photos have dominated the headlines on social media. Srinidhi Shetty draped herself in a blue embroidered saree with a golden border and paired it with a colour-coordinated blouse. She looked radiant in the pictures shared on Instagram and opted for a bracelet, ring and a nose pin for the bracelet part. "Missed me in saree? I sure did", Srinidhi Shetty wrote in the caption.

Srinidhi's fans were left drooling over her looks and dropped heart emoticons in the comment section.Srinidhi Shetty dropped another set of pictures on Instagram wearing the same outfit. She flaunted her toned figure in this saree. She wrote in the caption, "One more from the series because my love for sarees is never-ending". She left her hair loose which added further allure to the photos.

Srinidhi Shetty has not acted in many hit films to date, apart from the KGF franchise. As of now, she has started filming for her upcoming project, Telusu Kada. This debut film by Neeraja Kona stars Sidhu Jonnalagadda, and Raashi Khanna in key roles. As per a report in Femina, this film promises a narrative that goes beyond conventional romance. It explores the essence of companionship and the nuances of family dynamics. This film will also reportedly highlight the values of self-sacrifice and personal growth.TG Vishwa Prasad has produced the film, while Vivek Kuchibhotla has co-produced it under the People Media Factory banner. Gnana Shekar Baba will handle the cinematography, while National Award-winning Naveen Nooli will take on the editing. Avinash Kolla is in charge of the production design and SS Thaman has composed the music.

Rashmi Gautam's

Halter-neck Maxi Dress Is Perfect For Your Next Party

Actress Rashmi Gautam has become a popular face in Telugu showbiz. She earned a huge fanbase after hosting a Telugu comedy show, Jabardasth. Rashmi has acted in several films, like Bomma Blockbuster, Prasthanam, and others. The actress always sets high fashion standards with her outfit and blessed the fan feeds with her latest post.Recently, she caught everyone's attention by donning an orange halter-neck maxi dress. Rashmi shared a series of photos on her Instagram handle. The actress captioned the series of pictures with '#sundaypost'. The photos, captured in different poses, offer a perfect balance between bold and sophisticated.

Actress Rashmi Gautam has become a popular face in Telugu showbiz. She earned a huge fanbase after hosting a Telugu comedy show, Jabardasth. Rashmi has acted in several films, like Bomma Blockbuster, Prasthanam, and others. The actress always sets high fashion standards with her outfit and blessed the fan feeds with her latest post.Recently, she caught everyone's attention by donning an orange halter-neck maxi dress. Rashmi shared a series of photos on her Instagram handle. The actress captioned the series of pictures with '#sundaypost'. The photos, captured in different poses, offer a perfect balance between bold and sophisticated.

The actress paired her attire with matching orange heels. She opts for a smokey eye and nude lip and keeps it simple with a ponytail. The recent post by the actress took the internet by storm. The post is currently going viral and has garnered several likes and comments.Many fans dropped hearts and fire emojis to express their love for the actress. One fan wrote, "Slaying", while another said, "Amazing. Many users also mentioned her love life with her Jabardasth co-star, actor and comedian Sudigali Sudheer.Recently, the news of her marriage surfaced on the internet, stating that she is planning to get married soon. The news went viral in no time, though there has been no official announcement from Rashmi Gautam. She was also reportedly paired with Sudigali Sudheer, but Rashmi denied the speculations, tagging it fake.

It's A Wrap For Actor Srujan Lokesh's Directorial Debut Titled GST

Srujan Lokesh's upcoming directorial project, Ghost in Trouble (GST), has been in the news ever since its announcement last year. Produced by Sandesh Productions, the film features Srujan in the lead role while also marking his debut as a director in the industry. As per the latest updates, the filming for GST has officially concluded. The makers of GST wrapped up the shoot, along with the filming of the two major song sequences. Sandesh Productions shared the news on Instagram, with the caption: "The shooting for the GST movie is officially wrapped! A huge thank you to the incredible cast and crew for their hard work and dedication." They added a photo of GST's entire cast and crew, posing happily with a thumbs up.One of the songs is a romantic number that was filmed at the producer's picturesque resort near Kabini, featuring Srujan Lokesh and Rajani Bharadwaj as the lovebirds. Another one shot recently is a vibrant dance number, the filming for which was done in Mysuru. Unlike the romantic song, the peppy dance track features Srujan, Tabal Nani, Girish Shivanna and Vinod Gobbagaragal. FYI, both the songs are jointly written by Srujan Lokesh and Chandan Shetty.

What further adds to the hype around the film is that Sandesh Nagaraju, the producer of the film, also plays a pivotal role in the film. The details about his character have been kept under wraps to keep the excitement intact. Srujan Lokesh's mother, Girija Lokesh, and son, Sukruth also join the star cast for added personal touch.

With the music composed by Chandan Shetty, cinematography by Suresh, and dialogues by Rajshekar, the film is poised to be a whole package of entertainment. As the team enters the post-production phase, fans can't wait for the release of horror comedy in the theatres.

Salman Khan Carries Niece Ayat Sharma In His Arms At Angry Young Men Trailer Event, Video Goes Viral

Salman Khan is fond of children and often he has been seen engaging with them in a fun manner. Today also during the trailer launch event of Angry Young Men he was seen carrying his niece Ayat Sharma in his arms and talking. Salman Khan was taking care of her and also engaging with other personalities present for the event. The video has gone viral and fans are seen reacting to it.

In the video, shared by Viral Bhayani, we can see Salman Khan holding Ayat Sharma and talking to her. She is pointing to something and he is also trying to explain her. Salman Khan is carrying her all the time and also talking to other people. Ayat Sharma is the daughter of Arpita Khan. As soon as the video was shared, fans dropped heart emojis in the comment section.

During the trailer launch, Salman Khan said men today do not want to be men anymore. The superstar joined the acclaimed writer duo Salim-Javed, formally known as Salim Khan and Javed Akhtar at the launch of Angry Young Men.

The actor was speaking about the duo's films when he shared his insights about the present generation. He declared that men don't want to be men anymore whereas, Salim and Javed were, are, and will always be men.

"A lot of writers, write. Salim-Javed thought, they put their life experiences, what they've learned from people around them, what they've seen, what their parents have taught them, and the way their children have grown up.

They have taken from life and put it on cinema. The rest of the writers take from cinema and put it back in cinema," Salman Khan was quoted saying.Salman Khan is currently shooting for Sikandar with Rashmika Mandanna. The film is all set for Eid 2025 release. The actor's look also went viral. The film has been grabbing headlines eversince it was announced.